R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 178 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार, 07 जून 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

गुजरात दौरे के बाद पीएम मोदी ने दोहराया आत्मनिर्भर भारत का संकल्प, बोले- सूरत सिर्फ शहर नहीं, एक स्पिरिट है

नई दिल्ली/सूरत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने गुजरात दौरे की झलकियां सोशल मीडिया पर साझा करते हुए आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के संकल्प को एक बार फिर दोहराया। शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए उन्होंने सूरत की जनता का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस जीवंत शहर से भारत को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प और मजबूत हुआ है।

सूरत से दिया विकसित भारत का संदेश

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा, "कल सूरत के लोगों के बीच रहना बहुत अच्छा लगा। इस जीवंत शहर से हमने मिलकर भारत को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने का अपना संकल्प दोहराया।" वीडियो में उनके गुजरात दौरे के विभिन्न कार्यक्रमों और संबोधनों की झलकियां भी दिखाई गई हैं। अपने भाषण में पीएम मोदी ने कहा कि सूरत सिर्फ एक शहर नहीं, बल्कि एक "स्पिरिट" है। उन्होंने कहा कि विकसित गुजरात और विकसित भारत का लक्ष्य सेवा, समर्पण और जनभागीदारी के माध्यम से ही हासिल किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि वैश्विक संकटों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर होना कितना जरूरी है। उन्होंने हजीरा का उदाहरण देते हुए कहा कि यह क्षेत्र अब केवल एक औद्योगिक केंद्र नहीं रहा, बल्कि ऊर्जा, स्टील, रक्षा उत्पादन, बंदरगाह और वैश्विक व्यापार का बड़ा केंद्र बन चुका है। हजीरा आज आत्मनिर्भर भारत के महत्वपूर्ण केंद्र और देश के उभरते 'मेरीटाइम इंडस्ट्रियल हब' के रूप में विकसित हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में विरोधियों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग आत्मनिर्भर भारत अभियान का मजाक उड़ाते हैं और देश की उपलब्धियों को कमतर आंकने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत अब नकारात्मक सोच से आगे निकल चुका है और यह असीमित आशावाद, बड़े सपनों और मजबूत संकल्पों वाला देश है। उन्होंने विश्वास जताया कि देश की जनशक्ति हर लक्ष्य को हासिल करने में सक्षम है और यही भारत की सबसे बड़ी ताकत है।

ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षा को 'किसी न किसी तरह' खत्म कर दिया जाएगा : ट्रंप

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा है कि तेहरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को "किसी न किसी तरह" समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र बनने से रोकने के अपने लक्ष्य को काफी हद तक हासिल कर चुका है और इस मुद्दे का समाधान जल्द सामने आएगा। शुक्रवार को अमेरिका के विस्कॉन्सिन राज्य के चिप्पेवा फॉल्स में आयोजित कृषि क्षेत्र से जुड़े एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार का सबसे बड़ा उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना था। उन्होंने कहा, "हम ऐसा होने नहीं देने वाले थे। हमने इस दिशा में काफी काम कर लिया है और आप जल्द ही इसका परिणाम देखेंगे। किसी न किसी तरह यह मामला खत्म हो जाएगा।" ट्रंप ने संकेत दिया कि ईरान के साथ चल रहे तनाव का समाधान या तो किसी समझौते के जरिए होगा या फिर किसी अन्य कठोर तरीके से। हालांकि उन्होंने संभावित सैन्य कार्रवाई या जारी कूटनीतिक वार्ताओं के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी।

अपने संबोधन में ट्रंप ने ईरान के मुद्दे को अमेरिकी अर्थव्यवस्था और ऊर्जा बाजार से भी जोड़ा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में ऊर्जा, तेल और गैस की कीमतों में गिरावट देखने को मिल सकती है, जिसका सीधा फायदा किसानों और ग्रामीण समुदायों को मिलेगा। ट्रंप ने दावा किया कि खाद की कीमतें भी कम होंगी, जिससे कृषि क्षेत्र को राहत मिलेगी। राष्ट्रपति ने ईरान के खिलाफ कथित सैन्य अभियानों का जिक्र करते हुए कहा कि ईरान की नौसैनिक क्षमताओं को भारी नुकसान पहुंचाया गया है। उन्होंने दावा किया कि केवल चार दिनों में 159 जहाजों को निशाना बनाया गया और ईरान की नौसेना लगभग निष्क्रिय हो चुकी है। ट्रंप ने इसे अमेरिकी सैन्य शक्ति का उदाहरण बताते हुए कहा कि इस दौरान लगाई गई नाकाबंदी अभूतपूर्व थी। अपने भाषण के अंत में ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार अभी भी ईरान से जुड़े कुछ "अधूरे कामों" को पूरा करने में जुटी है। उन्होंने भरोसा जताया कि जल्द ही ईरान से जुड़ा मामला एक मजबूत और निर्णायक मोड़ पर पहुंचेगा, जिसका असर वैश्विक ऊर्जा बाजार और अमेरिकी अर्थव्यवस्था दोनों पर दिखाई देगा।

प्रज्ञानंद ने जीता नॉर्वे चेस खिताब, रचा इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने प्रतिष्ठित नॉर्वे चेस 2026 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। 20 वर्षीय प्रज्ञानंद इस टूर्नामेंट का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने अंतिम दौर में जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराकर 18 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। ओस्लो में आयोजित इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन, मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश, अलीरेजा फिरौजा और वेस्ली सो जैसे दिग्गज शामिल थे। प्रज्ञानंद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट के दौरान कार्लसन को क्लासिकल शतरंज में दो बार हराया, जो बेहद दुर्लभ उपलब्धि मानी जाती है। खिताब जीतने के बाद प्रज्ञानंद ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मां को दिया।

संक्षिप्त समाचार

कांगो में इबोला का प्रकोप गंभीर, 82 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांगो में इबोला वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) के स्वास्थ्य मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इबोला के पुष्ट मामलों की संख्या बढ़कर 452 हो गई है, जबकि अब तक 82 लोगों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने 4 जून को इतुरी और नॉर्थ किवु प्रांतों में 71 नए मामलों की पुष्टि की थी, जिनमें 21 लोगों की जान चली गई। यह प्रकोप इबोला के बुंडिबुग्यो स्ट्रेन के कारण फैल रहा है और तेजी से सामुदायिक संक्रमण का संकेत दे रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, 258 मरीज अस्पतालों और आइसोलेशन केंद्रों में उपचाराधीन हैं, जबकि आठ लोग संक्रमण से स्वस्थ हो चुके हैं। हालांकि, संपर्क में आए लोगों की निगरानी (कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग) में गंभीर चुनौतियां बनी हुई हैं। 4,766 संभावित संपर्कों में से केवल 57.8 प्रतिशत लोगों की ही नियमित निगरानी हो पा रही है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि पोस्टमार्टम जांच का विरोध, इलाज की सीमित क्षमता, आवश्यक दवाओं और सुरक्षा उपकरणों की कमी तथा 21.5 मिलियन डॉलर की फंडिंग कमी स्थिति को और जटिल बना रही है। इस बीच, पड़ोसी देश युगांडा में भी इबोला के तीन नए मामले सामने आए हैं, जिससे वहां कुल संक्रमितों की संख्या 19 हो गई है। अफ्रीका सीडीसी और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने महाद्वीप स्तर पर तैयारी तेज करते हुए जून से नवंबर के बीच 518 मिलियन डॉलर जुटाने की योजना बनाई है ताकि प्रकोप पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके।

खान सर ने कोर्ट में किया सरेंडर, गोलीकांड मामले में बढ़ी कानूनी मुश्किलें

पटना। चर्चित शिक्षक खान सर ने शनिवार को पटना सिविल कोर्ट में सरेंडर कर दिया। उनके कोचिंग संस्थान के बाहर हुए मारपीट और गोलीबारी मामले में पुलिस उनकी तलाश कर रही थी। हालांकि गिरफ्तारी से पहले ही उन्होंने अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। उनके वकील ने इसकी पुष्टि की है। यह मामला पटना के मुसल्लहपुर स्थित खान सर के कोचिंग संस्थान के बाहर हुई फायरिंग से जुड़ा है। कदमकुआं थाने में दर्ज एफआईआर के अनुसार, खान सर के अंगरक्षकों ने पुलिस को दिए बयान में कहा है कि उन्होंने खान सर के निर्देश पर गोली चलाई थी। इसके आधार पर पुलिस ने खान सर के खिलाफ हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। घटना के बाद से पुलिस ने कोचिंग सेंटर के बाहर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी थी। बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया और संभावित गिरफ्तारी की अटकलें लगाई जा रही थीं। वहीं, खान सर के समर्थन में सैकड़ों छात्र देर रात तक कोचिंग सेंटर के बाहर डटे रहे। पुलिस लगातार लाउडस्पीकर के जरिए छात्रों से घर लौटने की अपील करती रही। इस विवाद को दो कोचिंग संस्थानों के बीच का संघर्ष बताया जा रहा है। मामले में ज्ञान बिंदु संस्थान के संचालक रौशन आनंद समेत तीन लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं खान सर के दो अंगरक्षक भी पुलिस हिरासत में हैं। इस तरह अब तक कुल पांच लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

मध्य प्रदेश राज्यसभा चुनाव: क्या फिर टूटेगी कांग्रेस?

मीनाक्षी नटराजन की उम्मीदवारी पर घमासान, बीजेपी तैयार!

भोपाल। मध्य प्रदेश में राज्यसभा की तीन सीटों के लिए 18 जून को होने वाले चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल गरमा गया है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है, लेकिन चुनावी मुकाबले से ज्यादा चर्चा कांग्रेस के भीतर बढ़ती असंतोष की लहर और संभावित क्रॉस वोटिंग को लेकर हो रही है। राहुल गांधी की करीबी मानी जाने वाली मीनाक्षी नटराजन को उम्मीदवार बनाए जाने के बाद पार्टी के भीतर विरोध के स्वर खुलकर सामने आने लगे हैं।

विधानसभा का गणित और कांग्रेस की बढ़ती चिंता

मध्य प्रदेश विधानसभा में कुल 230 सदस्य हैं और राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए 58 वोटों की आवश्यकता है। बीजेपी के पास 164 विधायक हैं, जिससे वह आसानी से दो सीटें जीत सकती है। दो उम्मीदवारों को जिताने के बाद भी उसके पास 48 वोट बचते हैं। ऐसे में यदि बीजेपी तीसरा उम्मीदवार उतारती है तो उसे जीत के लिए केवल 10 अतिरिक्त वोटों की जरूरत होगी। दूसरी ओर कांग्रेस की स्थिति पहले जितनी मजबूत नहीं दिखाई दे रही। तकनीकी और कानूनी कारणों से उसके कुछ विधायक मतदान नहीं कर पाएंगे, जिसके चलते उसके पास लगभग 62 वैध वोट ही बचते हैं। आंकड़ों के हिसाब से कांग्रेस एक सीट जीत सकती है, लेकिन पार्टी को डर है कि यदि कुछ विधायक क्रॉस वोटिंग कर देते हैं तो उसकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

मीनाक्षी नटराजन की उम्मीदवारी पर क्यों उठ रहे सवाल?

कांग्रेस ने पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन को उम्मीदवार बनाया है, लेकिन इस फैसले को लेकर पार्टी के कई नेता नाराज बताए जा रहे हैं। कुछ नेताओं का मानना है कि पिछले कई वर्षों से उनका प्रदेश के विधायकों और स्थानीय संगठन से सीधा संपर्क सीमित रहा है। यही कारण है कि कई कार्यकर्ता और नेता इस फैसले को लेकर असहज नजर आ रहे हैं। कांग्रेस नेता नरेश ज्ञानचंदानी ने भी सार्वजनिक रूप से उम्मीदवार चयन पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यदि दिग्विजय सिंह जैसे अनुभवी नेता को दोबारा मौका दिया जाता तो पार्टी की सीट पूरी तरह सुरक्षित रहती। पार्टी के कुछ विधायकों ने भी अनौपचारिक रूप से संगठन में संवाद की कमी पर चिंता जताई है।

कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान पर बीजेपी की नजर

कांग्रेस में बढ़ते असंतोष को बीजेपी अपने लिए अवसर के रूप में देख रही है। वरिष्ठ बीजेपी नेता कैलाश विजयवर्गीय ने संकेत दिया है कि यदि पार्टी तीसरा उम्मीदवार उतारती है तो उसकी जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरा प्रयास किया जाएगा। वहीं बीजेपी नेताओं ने कांग्रेस में संभावित क्रॉस वोटिंग को लेकर तंज कसना भी शुरू कर दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मध्य प्रदेश में राज्यसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस पहले भी बगावत और क्रॉस वोटिंग का सामना कर चुकी है। यही वजह है कि इस बार भी पार्टी नेतृत्व सतर्क है और विधायकों को एकजुट रखने की कोशिश कर रहा है। अब सबकी नजर 18 जून के मतदान पर है, जहां यह साफ होगा कि कांग्रेस अपनी एकमात्र सीट बचा पाती है या फिर बीजेपी उसकी अंदरूनी कलह का फायदा उठाकर बड़ा राजनीतिक दांव खेल जाती है।

मुझे नहीं, बंगाल के लोगों को है सुरक्षा की जरूरत

बीजेपी सरकार पर भड़के अभिषेक बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में बढ़ते विवादों के बीच तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने अपनी सुरक्षा को लेकर चल रही चर्चाओं को खारिज करते हुए कहा है कि उन्हें नहीं, बल्कि बंगाल के लोगों को सुरक्षा की जरूरत है। उन्होंने आरोप लगाया कि मीडिया का एक वर्ग यह गलत खबर फैला रहा है कि उन्होंने केंद्र सरकार से सुरक्षा की मांग की है। अभिषेक बनर्जी ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि उन्होंने कभी भी केंद्र से अतिरिक्त सुरक्षा नहीं मांगी। उन्होंने कहा कि हाल ही में सोनारपुर में उन पर हुए हमले की जानकारी केंद्र और राज्य सरकार दोनों को है और इस मामले में संबंधित एजेंसियों को जवाब देना चाहिए। टीएमसी नेता ने कहा कि उनकी सुरक्षा से ज्यादा चिंता की बात यह है कि पश्चिम बंगाल में हाल के दिनों में रेप और अन्य गंभीर अपराधों की घटनाएं बढ़ी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का ध्यान आम जनता की सुरक्षा के बजाय दूसरे मुद्दों पर केंद्रित है। उन्होंने राज्य और केंद्र सरकार से लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। दरअसल, टीएमसी से निष्कासित विधायक ऋतब्रत बनर्जी ने दावा किया था कि हमले के बाद अभिषेक बनर्जी केंद्र सरकार से सुरक्षा मांग रहे हैं। इसी दावे के बाद राजनीतिक बहस तेज हो गई थी। वहीं, अभिषेक बनर्जी इन दिनों कई जांच एजेंसियों के रडार पर भी हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें शिक्षक भर्ती मामले में तलब किया है, जबकि कथित फर्जी हस्ताक्षर प्रकरण में सीआईडी भी जांच कर रही है। इसी मामले में किसी भी दंडात्मक कार्रवाई से राहत की मांग को लेकर दायर उनकी याचिका पर कलकत्ता हाई कोर्ट 10 जून को सुनवाई करेगा। टीएमसी में चल रहे आंतरिक विवाद और जांच एजेंसियों की कार्रवाई के बीच अभिषेक बनर्जी का यह बयान राज्य की राजनीति में नई चर्चा का विषय बन गया है।

एसएमएस अस्पताल पहुंचे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

» ओपीडी सेवाओं का किया औचक निरीक्षण

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को जयपुर स्थित सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल पहुंचकर ओपीडी सेवाओं का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों में चिकित्सा व्यवस्थाओं, दवा वितरण, जांच सुविधाओं और साफ-सफाई की स्थिति का जायजा लिया तथा मरीजों और उनके परिजनों से सीधे संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया। मुख्यमंत्री भीलवाड़ा दौरे से लौटने के बाद अचानक एसएमएस अस्पताल पहुंचे। उन्होंने धन्वंतरी भवन में मेडिसिन, ऑर्थोपेडिक, कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी सहित विभिन्न विभागों की ओपीडी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मरीजों को जांच और दवाओं के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े। इसके लिए प्रत्येक विभाग की ओपीडी में ही जांच और दवा काउंटर की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसएमएस अस्पताल देश के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों में शामिल है, जहां राजस्थान ही नहीं बल्कि अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए आते हैं। बढ़ते रोगी भार को देखते हुए अस्पताल प्रशासन को स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने और तकनीकी संसाधनों का अधिक उपयोग करने की आवश्यकता है ताकि मरीजों को त्वरित और सुगम उपचार उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने अस्पताल परिसर में मरीजों और उनके परिजनों के लिए बैठने की पर्याप्त व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने तथा साफ-सफाई बनाए रखने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में एसएमएस अस्पताल की स्वास्थ्य सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जिसके लिए चिकित्सा विभाग और अस्पताल प्रशासन बधाई के पात्र हैं। हालांकि जहां भी सुधार की आवश्यकता होगी, वहां आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। निरीक्षण के दौरान प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़, एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी सहित वरिष्ठ चिकित्सक और अस्पताल प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

आरक्षित फैसलों में देरी: न्याय व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती

न्याय केवल किया जाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसका समय पर किया जाना भी उतना ही आवश्यक है। भारतीय न्याय व्यवस्था में लंबित मामलों की समस्या पहले से ही गंभीर है, ऐसे में यदि सुनवाई पूरी होने के बाद भी अदालतें लंबे समय तक अपने फैसले सुरक्षित रखती हैं, तो यह न्याय के मूल सिद्धांतों पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। हाल ही में भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) की पीठ ने सभी हाईकोर्टों को निर्देश दिया कि आरक्षित फैसलों को अधिकतम तीन माह के भीतर सुनाया जाए। यह निर्देश निश्चित रूप से स्वागतयोग्य है, लेकिन उसी दिन सुप्रीम कोर्ट द्वारा 15 माह तक सुरक्षित रखा गया एक फैसला सुनाया जाना इस व्यवस्था की विडंबना को भी उजागर करता है। न्यायिक प्रक्रिया में आरक्षित फैसलों का उद्देश्य यह होता है कि न्यायाधीश सभी तथ्यों, तर्कों और कानूनी पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर सकें।

लेकिन जब यह अवधि अत्यधिक लंबी हो जाती है, तो इससे पक्षकारों की चिंता और अनिश्चितता बढ़ जाती है। वादी, प्रतिवादी, अभियुक्त और अभियोजन पक्ष सभी लंबे समय तक यह नहीं जान पाते कि उनके मामले का अंतिम परिणाम क्या होगा। इससे न केवल मानसिक तनाव बढ़ता है, बल्कि न्यायपालिका के प्रति लोगों के विश्वास पर भी असर पड़ता है।

पिछले वर्षों में कई महत्वपूर्ण मामलों में फैसले लंबे समय तक सुरक्षित रखे गए। नाज फाउंडेशन के समलैंगिकता संबंधी मामले में लगभग 20 माह, सबरीमला विवाद में नौ माह और अनुच्छेद 370 की वैधानिकता से जुड़े मामले में तीन माह तक फैसला सुरक्षित रखा गया था। यह स्थिति बताती है कि समस्या केवल निचली अदालतों तक सीमित नहीं है, बल्कि सर्वोच्च न्यायालय भी इससे अछूता नहीं है। वर्ष 2001 में अनिल राय बनाम बिहार राज्य मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट दिशा-निर्देश दिया था कि तीन माह से अधिक समय तक फैसले सुरक्षित नहीं रखे जाने चाहिए। इसके बावजूद यदि इस सिद्धांत का पालन स्वयं सर्वोच्च न्यायालय में नहीं होता, तो अन्य अदालतों से इसकी अपेक्षा करना कठिन हो जाता है। न्याय व्यवस्था में अनुशासन और जवाबदेही ऊपर से नीचे तक समान रूप से लागू होनी चाहिए। आवश्यक है कि आरक्षित फैसलों के लिए एक स्पष्ट और बाध्यकारी समय-सीमा तय की जाए तथा उसके पालन की नियमित निगरानी हो। न्याय में देरी को अक्सर न्याय से वंचित होना कहा जाता है। इसलिए अदालतों को यह सुनिश्चित करना होगा कि सुनवाई पूरी होने के बाद फैसले अनावश्यक रूप से लंबित न रहें। समयबद्ध निर्णय ही न्यायपालिका की विश्वसनीयता, पारदर्शिता और जनता के विश्वास को मजबूत कर सकते हैं।

बढ़ते तापमान से जीव सृष्टि अलर्ट मोड पर

विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष

प्रितम भि. गेडाम

खाद्यान्नों में लगातार बढ़ती घातक रासायनिक समृद्धता लोगों को मौत के मुंहाने पर धकेल रही हैं। एक दशक पहले तक जब धूप में घूमते थे, बच्चे धूप में खेलते थे, तो सिर्फ गर्मी महसूस होती थी, खेलते-खेलते किसी पेड़ के छांव में भी बैठ जाएं तो बड़ी ठंडक महसूस होती थी। लेकिन अब तो यह धूप जहरीली हो चुकी है, शरीर को तपाने के साथ उबालती, बीमार भी करती हैं। शहरों के कॉन्क्रीट के जंगल में घने छायादार वृक्ष का दिखना भी दुर्लभ होता जा रहा हैं। लू से मरनेवालों की संख्या साल दर साल बढ़ती ही जा रही है, सबसे ज़्यादा असर गरीबों, बुज़ुर्गों, बच्चों और अनौपचारिक क्षेत्र के मज़दूरों पर पड़ता है, क्योंकि जीवन यापन के लिए उनका संघर्ष अत्यधिक कष्टदायक होता हैं। सीईईडब्ल्यू के अनुसार, निर्माणकार्य मज़दूरों, गिग वर्कर्स और झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों जैसे कमज़ोर तबकों को गर्मी के तनाव का सबसे ज़्यादा सामना करना पड़ता हैं। गरीबों को इस गर्मी में भी दो वक्त की रोटी के लिए जद्दोजहत करने पर मजबूर होना पड़ता है, उनकी आमदनी और उत्पादकता दोनों गिरती हैं। गर्मी के कारण 2030 तक जीडीपी में 4.5 प्रतिशत तक की संभावित गिरावट आ सकती है, गर्मी के कारण फसलों को नुकसान और खाद्य सुरक्षा को खतरा हो सकता हैं...

जीव सृष्टि के लिए केवल एकमात्र आधार पेड़ है, पेड़ खत्म मतलब पृथ्वी से जीवन समाप्त। प्रकृति का एकदम सरल नियम है कि, पेड़ हमें बचाते है, हमें उन्हें बचाना हैं। अगर हम प्रकृति की रक्षा में लिए 1 प्रतिशत भी योगदान देते है तो उसके तुलना में प्रकृति 100 प्रतिशत समृद्धि हमें लौटाती हैं। कोरोना काल में हम सबने देखा की, जब प्रकृति में मानवीय हस्तक्षेप थम गया था, तब प्रकृति तेजी से अपनेआप को समृद्ध कर रही थी। आज विडंबना है कि, जो निस्वार्थ समृद्ध पेड़ दशकों तक माँ की तरह हमें अपने आँचल की छांव में धूप से बचाता था, फल-फूल देता था, पंछियों का रैनबसेरा हुआ करता था, बरसात में भूमि के कटाव को रोकता था, मनुष्य के लिए जहरीली कार्बनडाय ऑक्साइड को खुद अवशोषित करके प्राणवायु ऑक्सीज़न हमें देता था। वातावरण में नमी और तापमान को नियंत्रित कर प्राकृतिक स्त्रोतों को समृद्ध बनाने में मुख्य भूमिका निभाता था। आज उसी पेड़ को काटने पर लोगों को जरा भी दुःख नहीं होता, जबकि हमारे पुरे जीवन और स्वास्थ्य पर इसका गंभीर परिणाम हो रहा है, क्या हम इतने गिरे हुए स्वार्थी लोग है कि, जो हमें जीवन देगा उसकी जान हम ही लेंगे।

आज प्रकृति में बदलते वातावरण की चोट हम सबको झेलनी पड़ रही है, स्वार्थी लोगों की गलत नीतियों ने संपूर्ण पर्यावरण में जहर घोल दिया हैं। प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन और जंगल कटाई ने पृथ्वी पर तापमान बढ़ाया है, जिसके कारण प्राकृतिक आपदाओं और बीमारियों में बेतहाशा वृद्धि हो रही हैं। प्रदूषण लगातार बढ़ रहा, सड़के आग की भट्टी की तरह महसूस हो रही है और भूजल स्तर तेजी से गिर रहा हैं। खाद्यान्नों में लगातार बढ़ती घातक रासायनिक समृद्धता लोगों को मौत के मुंहाने पर धकेल रही हैं। एक दशक पहले तक जब धूप में घूमते थे, बच्चे धूप में खेलते थे, तो सिर्फ गर्मी महसूस होती थी, खेलते-खेलते किसी पेड़ के छांव में भी बैठ जाएं तो बड़ी ठंडक महसूस होती थी। लेकिन अब तो यह धूप जहरीली हो चुकी है, शरीर को तपाने के साथ उबालती, बीमार भी करती हैं। शहरों के कॉन्क्रीट के जंगल में घने छायादार वृक्ष का दिखना भी दुर्लभ होता जा रहा हैं। लू से मरनेवालों की संख्या साल दर साल बढ़ती ही जा रही है, सबसे ज़्यादा असर गरीबों, बुज़ुर्गों, बच्चों और अनौपचारिक क्षेत्र के मज़दूरों पर पड़ता है, क्योंकि जीवन यापन के लिए उनका संघर्ष अत्यधिक कष्टदायक होता हैं। सीईईडब्ल्यू के अनुसार, निर्माणकार्य मज़दूरों, गिग वर्कर्स और झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों जैसे कमज़ोर तबकों को गर्मी के तनाव का सबसे ज़्यादा सामना करना पड़ता हैं। गरीबों को इस गर्मी में भी दो वक्त की रोटी के लिए जद्दोजहत करने पर मजबूर होना पड़ता है, उनकी आमदनी और उत्पादकता दोनों गिरती हैं। गर्मी के कारण 2030 तक जीडीपी में 4.5 प्रतिशत तक की संभावित गिरावट आ सकती है, गर्मी के कारण फसलों को नुकसान और खाद्य सुरक्षा को खतरा हो सकता हैं। द लैंसेट में 2024 में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार, लू के दौरान काम करने की क्षमता कम होने से हर साल लगभग 194 अरब डॉलर की आमदनी का नुकसान होता है, इस सदी के आखिर तक पूरे भारत में गर्मियों में चलने वाली लू की घटनाएं 300 से 400 फीसदी तक बढ़ सकती हैं। गर्मियों में भूजल का स्तर लगातार नीचे गिरने के कारण बहुत से ग्रामीणों और दूर-दराज क्षेत्र के रहवासियों को पानी के लिए दूर-दूर तक भटकना

पड़ रहा है, अनेक बार सोशल मीडिया पर इससे संबंधित वीडियो वायरल होते है, जिसमे हम देखते है कि छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग महिलाओं तक थोडेसे पानी के लिए रोजाना कई किलोमीटर दूर तक पैदल चलते है, जान जोखिम में डालकर 50-60 फीट नीचे गहरे गड्ढे में उतरकर दूषित जल पिने के लिए बर्तनों में भरते हैं। जीवनावश्यक जल के लिए ऐसा संघर्ष, मजबूरी देखकर बहुत दुःख होता हैं। प्रकृति ने हर एक के लिए शुद्ध जल, हवा, पोषक खाद्य की सुविधा की है, परंतु प्रकृति का संतुलन बिगाड़कर स्वार्थी मनुष्य ने समस्त जीवसृष्टि के लिए खतरा पैदा किया हैं। लोगों के ये हाल है तो, इस बढ़ते तापमान में जंगलों में बेजुबान वन्य पशुओं के कितने बुरे हालात होते होंगे। भौगोलिक रूप से हमारा देश उष्ण माना जाता है, ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बढ़ने से वातावरण में गर्मी बढ़ी है, इससे मूल तापमान लगातार बढ़ता जाता है, प्राकृतिक हरियाली और प्राकृतिक ठंडक देने वाले संसाधन तेजी से खत्म हो रहे हैं। तेज़ी से फैलते शहर प्राकृतिक नज़ारों की जगह कंक्रीट और काँच की इमारतें खड़ी हुयी, ये दिन में गर्मी सोखकर रात में धीरे-धीरे उसे बाहर निकालती हैं, जिससे सूरज डूबने के बाद भी शहरों का तापमान कम नहीं हो पाता। विकास के लिए शहरों के आसपास के सभी गांवों से उपजाऊ भूमि और खेती पर इमारतें बन रही हैं। यूनाइटेड नेशंस के फ़ूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइज़ेशन के अनुसार, दुनिया भर में हर साल लगभग 10 मिलियन हेक्टेयर जंगल खत्म हो जाते है, यह हर 12 महीने में आइसलैंड या पुर्तगाल के बराबर एरिया को साफ़ करने के बराबर हैं। ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच के अनुसार, भारत में हर साल खेती, वनों की कटाई और बुनियादी ढांचे का विकास की वजह से 1,00,000 हेक्टेयर से ज़्यादा प्राकृतिक जंगल और वृक्ष आवरण खत्म हो जाता हैं। मिनिस्ट्री ऑफ़ एनवायरनमेंट, फॉरेस्ट एंड क्लाइमेट चेंज के अनुसार, विकास प्रोजेक्ट्स के लिए सरकार की इजाज़त से हर साल लगभग 20 से 30 लाख पेड़ काटे जाते हैं। 1990 और 2000 के बीच भारत में 384,000 हेक्टेयर जंगल कम हुए, लेकिन 2015 और 2020 के बीच यह आंकड़ा बढ़कर 668,400 हेक्टेयर हो गया। यूनाइटेड किंगडम की एक वेबसाइट, यूटिलिटी बिडर, जो एनर्जी और यूटिलिटी कॉस्ट की तुलना करती है, की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस मामले में भारत ब्राज़ील के बाद दूसरे नंबर पर है, जहाँ इन सालों में औसतन 668,400 हेक्टेयर जंगल काटे गए। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि जहाँ ब्राज़ील ने 2015 और 2020 के बीच 2,559,100 हेक्टेयर और इंडोनेशिया ने इसी समय में 1,876,000 हेक्टेयर जंगल काटे, वहीं भारत के आंकड़े काफी बढ़ गए है, डाउन टू अर्थ ने भी यह खबर प्रकाशित की थी। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी बॉम्बे और डीम्ड यूनिवर्सिटी सस्त्रा के अनुसंधानकर्ताओं की एक नये अध्ययन से पता चला है कि 2015 और 2019 के बीच भारत के जंगल वनक्षेत्र में काफ़ी गिरावट आयी हैं।

मुद्दा

रवि शंकर

पेट्रोल और डीजल जीएसटी से बाहर क्यों

देश में पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। खासकर मध्यम वर्ग और रोज कमाने-खाने वाले लोगों में इसे लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। बताया जा रहा है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव और युद्ध जैसे हालात के कारण कच्चे तेल के आयात पर असर पड़ा है। इसी वजह से तेल कंपनियां बढ़ी हुई लागत का बोझ धीरे-धीरे उपभोक्ताओं पर डाल रही हैं। बता दें कि पिछले 15 दिनों में यह चौथी बार है जब पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की गई। कीमतों में बढ़ोतरी से आम लोगों, यात्रियों और परिवहन क्षेत्र पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है। पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने से सिर्फ वाहन चालकों की ही नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जरूरत की चीजों की कीमतों पर भी असर पड़ रहा है। वही देश के कई हिस्सों में इस समय कृषि कार्य, फसल परिवहन और आगामी बुवाई की तैयारियां चल रही हैं, जहां डीजल का व्यापक उपयोग होता है। ऐसे समय में डीजल की कीमतों में लगातार वृद्धि किसानों के लिए गंभीर संकट पैदा कर रही है। खेती की लागत बढ़ने से पहले से आर्थिक दबाव झेल रहा किसान और अधिक कर्ज के बोझ तले दबेगा। वर्तमान में देश के कई राज्यों और शहरों में पेट्रोल का दाम 100 रुपये प्रति लीटर के आंकड़े को पार कर चुका है। ऐसे में एक बार फिर पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने की मांग तेज हो गई है। माना जा रहा है कि अगर ऐसा होता है तो ईंधन की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है और लोगों को सीधी राहत मिलेगी। दरअसल, पेट्रोल की असल कीमत और उपभोक्ता द्वारा चुकाई जाने वाली कीमत में बड़ा अंतर टैक्स की वजह से है। मौजूदा समय में दिल्ली में बिकने वाले पेट्रोल की असली (बेस) कीमत सिर्फ 66.29 रुपये प्रति लीटर है। लेकिन इस पर केंद्र सरकार 11.90 रुपये प्रति लीटर का भारी-भरकम उत्पाद शुल्क वसूलती है। इसके बाद राज्य सरकार (दिल्ली सरकार) इस पर 16.03 रुपये का वैट लगा देती है। इसके अलावा, पेट्रोल पंप डीलर को प्रति लीटर 4.42 रुपये का कमीशन मिलता है। इन सभी शुल्कों को मिलाकर एक लीटर पेट्रोल के लिए उपभोक्ता को 100 रुपये से ज्यादा चुकाने पड़ते हैं। यानी, लगभग 28 से 30 रुपये सिर्फ टैक्स के रूप में जनता की जेब से जा रहे हैं। वर्तमान समय में पेट्रोल पर वास्तविक मूल्य के मुकाबले करीब 42 प्रतिशत और डीजल पर लगभग 32 प्रतिशत तक टैक्स लगाया जा रहा है। अलग-अलग राज्यों में वैट की दरें अलग होने के कारण पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बड़ा अंतर देखने को मिलता है। तेलंगाना में पेट्रोल सबसे महंगा है क्योंकि वहां पेट्रोल पर करीब 35.2 प्रतिशत वैट लगाया जाता है। वहीं अंडमान-निकोबार में पेट्रोल और डीजल पर केवल एक प्रतिशत वैट होने के कारण वहां ईंधन सबसे सस्ता बताया गया है। अगर केंद्र और राज्य सरकारें अपने मौजूदा टैक्स (एक्साइज और वैट) को हटाकर ईंधन को जीएसटी के तहत लाती हैं, तो कीमतों में ऐतिहासिक कटौती हो सकती है। मान लीजिए कि डीलर का कमीशन जस का तस रहता है और तेल पर 18 फीसदी की दर से जीएसटी लगाया जाता है, तो 66.29 रुपये के मूल दाम पर केवल 11.93 रुपये का टैक्स बनेगा। इस नए गणित के हिसाब से दिल्ली में पेट्रोल की कीमत घटकर 78.22 रुपये प्रति लीटर रह जाएगी। इसका सीधा अर्थ है कि ग्राहकों को प्रति लीटर लगभग 22 रुपये की भारी बचत होगी। गौरतलब है कि 2017 में जब जीएसटी लागू किया गया था, तो वन नेशन वन टैक्स की बात कही गई थी और कहा गया था कि देश में हर चीज पर एक समान टैक्स होगा और एक समान रेट होगा, लेकिन पेट्रोल-डीजल पर सभी राज्य मनमानी करते हुए अपने अपने हिसाब से वैट वसूल रहे हैं। इसके कारण हर राज्य में पेट्रोल-डीजल की दरें अलग-अलग हैं। इससे वन नेशन वन टैक्स की अवधारणा पर भी कुठाराघात हो रहा है। ये उत्पाद केंद्र और राज्य सरकारों के लिए राजस्व का प्रमुख स्रोत हैं। राज्यों को डर है कि जीएसटी के तहत इन उत्पादों को लाने से उनकी कर नीति, मूल्य निर्धारण और खपत को प्रभावित करने की क्षमता पर असर पड़ेगा। कई राज्यों का मानना है कि पेट्रोल और डीजल पर वैट उनकी आर्थिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। जीएसटी में शामिल होने पर वे इस स्वायत्तता को खो सकते हैं। पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने के लिए राज्यों की सहमति और कर दर पर एकरूपता जरूरी है। हालांकि पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के तहत लाने का फैसला केंद्र और राज्य सरकारों की सहमति पर निर्भर करेगा, क्योंकि इससे राज्यों की टैक्स आय पर बड़ा असर पड़ सकता है, क्योंकि इससे टैक्स से होने वाली बड़ी कमाई प्रभावित होगी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सत्य के प्रति जागने में ही है 'जीवन की महत्ता'

संकलित

दर्शन

प्रत्येक व्यक्ति का इस जगत में आना एक संयोग है और यह संयोग परमात्मा की कृपा की देन है, लेकिन संसार में सभी के आने का संयोग कुछ पाने के लिए है, खोने के लिए नहीं। इसलिए कि खोना आसान है, परंतु पाना बहुत ही कठिन है। संसार में प्रायः लोग सोने वाले हैं, जागने वाले कम। जागने वाले ही कुछ पाते हैं और सोने वाले सब कुछ खो देते हैं। जागने वाले ही इस संसार में जीवित हैं और सोने वाले मृत। सच्चाई के लिए जागना ही है, जड़ता का त्याग। जड़ता के त्याग के बिना पशुता की स्थिति से उबरना संभव नहीं है। जड़ता सुषुप्ति की अवस्था है और जड़ता का त्याग जागृतावस्था। जागृतावस्था में जीवन के उत्थान, विकास, महानता प्राप्ति का संयोग है और सुषुप्तावस्था में मृत्यु, पतन, अवनति, निंदा, दुखभरी स्थिति है। जागने में भलाई है और सोने में बुराई है। यह पतन की ओर ले जाने वाला है। व्यक्ति जन्म के समय न कुछ लेकर आता और न ही मृत्यु के समय कुछ लेकर जाता है। झूठ बोलकर की गई सारी कमाई यहीं रह जाती हैं, लेकिन सत्य की कमाई सदा साथ रहती है। त्याग, प्रेम, सत्य, जिम्मेदारी के प्रति जागना ही जीवन में सत्कर्म है और यह सत्कर्म ही पुण्य की कमाई है, जो कभी नष्ट नहीं हो सकती। परमात्मा तो सिर्फ सत्य मार्ग पर चलने वाले का साथ देता है और कुमार्गगामी को दंड भी देता है। सत्य के प्रति सजगता ही चेतना का ऊर्ध्वमुखी होना होता है। इसके विपरीत असत्य के प्रति चेतना की जागृति विनाश, पतन का मूल है।

ईश्वर ने मेरे भाग्य में क्या लिखा है

संकलित

प्रेरणा

एक बार स्वामी विवेकानद जी अपने आश्रम में एक छोटे पालतू कुत्ते के साथ टहल रहे थे। तभी अचानक एक युवक उनके आश्रम में आया और उनके पैरों में झुक गया और कहने लगा- स्वामीजी मैं अपनी जिंदगी से बड़ा परेशान हूँ। मैं प्रतिदिन पुरुषार्थ करता हूँ लेकिन आज तक मैं सफलता प्राप्त नहीं कर पाया। पता नहीं ईश्वर ने मेरे भाग्य में क्या लिखा है, जो इतना पढ़ा-लिखा होने के बावजूद भी मैं नाकामयाब हूँ। युवक की परेशानी को स्वामीजी ने तुरंत समझ लिया। उन्होंने युवक से कहा- भाई! थोड़ा मेरे इस कुत्ते को कहीं दूर तक सैर करा दो। उसके बाद मैं तुम्हारे प्रश्नों का उत्तर दूंगा। उनकी इस बात पर युवक को थोड़ा अजीब लगा लेकिन दोबारा उसने कोई प्रश्न नहीं किया और कुत्ते को दौड़ाते हुए आगे निकल पड़ा। कुत्ते को सैर कराने के बाद, जब एक युवक आश्रम में पहुंचा तो वह देखा कि युवक का चेहरा तेज है लेकिन उसका छोटा कुत्ता थक के जोर-जोर से हांफ रहा था। स्वामीजी ने पूछा- भाई, मेरा कुत्ता इतना कैसे थक गया? तुम तो बड़े शांत दिख रहे हो। क्या तुम्हें थकावट नहीं हुई? युवक ने कहा- स्वामीजी, मैं धीरे-धीरे आराम से चल रहा था, लेकिन मेरा कुत्ता अशांत था। सभी जानवरों के पीछे दौड़ता था, इसीलिए बहुत थक गया था। तब विवेकानंद ने कहा- भाई, तुम्हारे प्रश्नों का उत्तर तो यही है! तुम्हारा लक्ष्य तुम्हारे आसपास है, लेकिन तुम उससे दूर चलते हो। अन्य लोगों के पीछे दौड़ते रहते हो और तुम जो चाहते हो वह दूर हो जाता है। युवक ने विवेकानंद के उत्तर से संतुष्ट होकर अपनी गलती को सुधारने का निर्णय लिया। अतः अपने लक्ष्य पर ध्यान रखो और भटकाने वाली सोच से दूरी बनाओ।

अंतर्मन

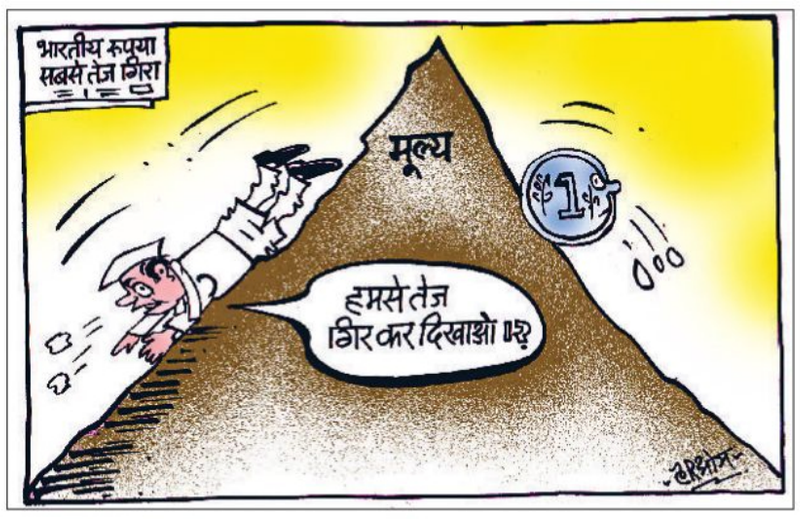

आज की पाती

पर्यावरण संरक्षण : आज का संकल्प, कल का भविष्य

धरती केवल मिट्टी, जल, वायु और पेड़ों का समूह नहीं है। यह मानव सभ्यता की जननी है, जीवन की धड़कन है और आने वाली पीढ़ियों की सबसे बड़ी धरोहर है। जब भी सुबह का सूरज पर्वतों की चोटियों को सुनहरी आभा से भर देता है, जब नदियों का निर्मल जल कल-कल करता हुआ बहता है, जब खेतों में हरियाली लहराती है और पक्षियों का मधुर कलरव वातावरण में संगीत घोल देता है, तब प्रकृति अपनी सुंदरता का परिचय देती है। किंतु आज यही प्रकृति मानव की अंधाधुंध महत्वाकांक्षाओं और स्वार्थपूर्ण गतिविधियों के कारण कराह रही है। बढ़ता प्रदूषण, कटते जंगल, सूखती नदियां, पिघलते हिमनद, बढ़ता तापमान और असंतुलित मौसम मानव को चेतावनी दे रहे हैं कि यदि अभी नहीं संभले, तो आने वाला भविष्य अत्यंत भयावह हो सकता है। - **चेतन वर्मा**, धमतरी

ट्रेंड

विकास गति मजबूत

भारत की डिजिटल अवसंरचना यात्रा उल्लेखनीय गति पकड़ रही है। एयरट्रंक ने भारत में लगभग 3 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने और 5 गीगावाट डेटा सेंटर क्षमता विकसित करने की घोषणा की है।
- **नरेंद्र मोदी**, प्रधानमंत्री

नमो ऑक्सीजन पार्क

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की गरिमामयी उपस्थिति में, मेगा वृक्षारोपण अभियान का उद्घाटन किया गया और दिल्लीवासियों को 18 नमो ऑक्सीजन पार्क समर्पित किए गए।दिल्ली के सभी निवासियों से आग्रह है कि वे 'मां के नाम एक पेड़' अभियान में शामिल हों।
- **रेखा गुप्ता**, सीएम, नई दिल्ली

ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई

अगर ड्रग माफिया ने अपनी हरकतें नहीं सुधारीं, तो वे धूल में मिल जाएंगे। हमारी सरकार पिछले साढ़े तीन वर्षों से ड्रग्स के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ रही है। पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम को सख्ती से लागू करके ड्रग तस्करों के नेटवर्क पर लगातार प्रहार किए जा रहे हैं।
-**सुखविंदर सिंह सुखु**, सीएम, हिमाचल प्रदेश

सड़कों पर उतरें

अखबारों में खबरें लीक करना अरबों-खरबों का कारोबार है। इस रैकेट में बड़े लोग शामिल हैं। जब तक आप सड़कों पर उतर कर सरकार को कार्रवाई करने के लिए मजबूर नहीं करेंगे, यह रैकेट नहीं रुकेगा।
-**अरविंद केजरीवाल**, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

पूर्व प्रिंस एंड्रयू ने तीन कॉटेज किराए पर देकर पैसा कमाया

ब्रिटेन की सार्वजनिक व्यय पर निगरानी रखने वाली संस्था की शुक्रवार को जारी शाही परिवार की संपत्तियों की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व प्रिंस एंड्रयू ने शाही संपदा में तीन कॉटेज किराये पर देकर पैसा कमाया, जहां वह दो दशक तक बिना किराए के रहे थे। इसमें यह भी बताया गया है कि उनकी बेटिया, प्रिंसेस बीट्राइस और प्रिंसेस यूजनी, किराए वाली महल की संपत्ति में रहती हैं, जिसका भुगतान उनके पिता के बड़े भाई महाराजा चार्ल्स तृतीय करते हैं। 'नेशनल ऑडिट ऑफिस' की रिपोर्ट में कहा गया है कि एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर को विंडसर कैसल के पास अपने घर, रॉयल लॉज एस्टेट में कॉटेज को 20 साल से अधिक समय तक किराए पर देने से आय प्राप्त हुई। साल 2003 में किए गए रॉयल लॉज के एक पट्टे से पता चलता है कि उन्होंने संपत्ति के लिए सिर्फ एक मामूली रकम अदा की, जिसे /"पेपरकॉर्न रेंट/" के नाम से जाना जाता है। इस परिसर में 30 कमरों वाली एक हवेली और आठ कॉटेज शामिल हैं जिनमें से तीन को किसी और को किराये पर देने की अनुमति थी। रिपोर्ट में आय की रिपोर्ट शामिल नहीं की गई थी। संसद की लोक लेखा समिति की पूर्व प्रमुख और हाउस ऑफ लॉर्ड्स में लेबर पार्टी की सदस्य मारग्रेट होज ने इस चूक को चिंताजनक बताया।

ऑफ बीट

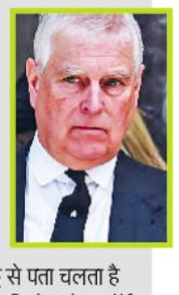

एआई में अत्यधिक पानी का इस्तेमाल हो सकता है

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते उपयोग से ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधनों पर पड़ने वाले दबाव को लेकर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक नई रिपोर्ट ने गंभीर चेतावनी जारी की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2030 तक एआई से जुड़ी प्रणालियां दुनिया की कुल बिजली खपत का लगभग तीन प्रतिशत हिस्सा उपयोग कर सकती हैं, जबकि डेटा केंद्रों की शीतलन जरूरतों के लिए इस्तेमाल होने वाला पानी वैश्विक आबादी की वार्षिक पेयजल आवश्यकता से भी अधिक हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई की बढ़ती क्षमता और लोकप्रियता के साथ उसके पर्यावरणीय प्रभाव भी तेजी से बढ़ रहे हैं। अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि एआई मॉडल समय के साथ अधिक दक्ष और कम ऊर्जा खपत वाले हो जाएंगे, जिससे उनकी पर्यावरणीय लागत घटेगी। हालांकि, रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि यह धारणा भ्रामक हो सकती है। रिपोर्ट में 'जेवॉन्स पैराडॉक्स' का उल्लेख किया गया है, जिसके अनुसार किसी तकनीक की दक्षता बढ़ने पर संसाधनों की कुल खपत कम होने के बजाय बढ़ सकती है। यह सिद्धांत 19वीं सदी के अर्थशास्त्री विलियम स्टेनली जेवॉन्स के अवलोकन पर आधारित है, जिन्होंने पाया था कि कोयले के उपयोग की दक्षता बढ़ने के बावजूद उसकी कुल मांग और खपत में वृद्धि हुई थी।

रॉयल पत्रिका

ग्राम विकास चौपाल में बोले सीएम भजनलाल शर्मा:

किसान, पशुपालक और युवाओं के लिए बनाया विकास का रोडमैप, नई कृषि सुविधाओं की घोषणा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "विकसित भारत-विकसित राजस्थान" के विजन को साकार करने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। किसान, पशुपालक और युवाओं के उत्थान को केंद्र में रखकर सरकार ने विकास का व्यापक रोडमैप तैयार किया है, जिसमें पानी, बिजली, कृषि, रोजगार और पशुपालन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को भीलवाड़ा जिले की खारी का लाम्बा ग्राम पंचायत में आयोजित ग्राम विकास चौपाल को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने ग्राम पंचायत में नवीन कृषि पर्यवेक्षक मुख्यालय खोलने तथा नए कृषि पर्यवेक्षक पद के सृजन की घोषणा की। साथ ही विद्यार्थियों की मांग पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विज्ञान, जीव विज्ञान और कृषि विज्ञान संकाय शुरू करने का आश्वासन भी दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में जल संकट के स्थायी समाधान के लिए सरकार ने व्यापक योजना तैयार की है। रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर परियोजना (आईजीएनपी), गंगनहर के सुदृढ़ीकरण तथा माही, देवास, सोम-कमला-अंबा और ब्राह्मणी नदी परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। ऊर्जा क्षेत्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। पिछले ढाई वर्षों में

बिजली उत्पादन बढ़ा है और वर्ष 2027 तक प्रदेश के किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में 26 जिलों में किसानों को दिन के समय बिजली आपूर्ति की जा रही है। मुख्यमंत्री ने किसानों से आधुनिक और जैविक खेती अपनाने की अपील करते हुए कहा कि नई तकनीकों और प्रोसेसिंग यूनिट्स के माध्यम से कृषि आय में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार किसानों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये किसान सम्मान निधि देती है, जबकि राज्य सरकार अतिरिक्त 3 हजार रुपये की सहायता उपलब्ध करा रही है। पशुपालकों के लिए सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि डेयरी और सहकारिता क्षेत्र को मजबूत किया जा रहा है। दूध पर 5 रुपये प्रति लीटर अनुदान, गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना तथा मोबाइल वेटरनरी यूनिट जैसी सुविधाओं से पशुपालकों को बड़ा लाभ मिल रहा है। मंगला पशु बीमा योजना भी ग्रामीण परिवारों के लिए आर्थिक सुरक्षा का माध्यम बनी है। युवाओं के रोजगार पर बात करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने ढाई वर्षों में 1.25 लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए हैं, जबकि 1.35 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। इसके अलावा सवा लाख पदों के लिए भर्ती कैलेंडर भी जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पेपर लीक पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया है और भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित की है। मुख्यमंत्री ने राइजिंग राजस्थान समिट का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश समझौते हुए हैं, जिनमें से 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू धरातल पर उतर चुके हैं। इससे युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर सृजित होंगे। कार्यक्रम के दौरान किसानों, पशुपालकों, विद्यार्थियों और युवाओं ने विभिन्न सरकारी योजनाओं से मिले लाभ साझा किए। बड़ी संख्या में ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में आयोजित यह चौपाल ग्रामीण विकास, कृषि उन्नति और रोजगार सृजन के लिए सरकार की प्राथमिकताओं का महत्वपूर्ण मंच बनी।

ब्रीफ खबरें

गांधी चौक पर कैंडल मार्च निकालकर भाजपा नेता रामवतार असवाल को दी श्रद्धांजलि

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा नेता एवं एससी मोर्चा मंडल अध्यक्ष स्वर्गीय रामवतार उर्फ पप्पू असवाल की हत्या के विरोध में बुधवार शाम कस्बे के गांधी चौक पर सर्व समाज के लोगों ने कैंडल मार्च निकालकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल देखने को मिला। श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों तथा विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों ने हाथों में मोमबत्तियां लेकर दिवंगत रामवतार असवाल को श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि इस प्रकार की जघन्य वारदात समाज के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की। लोगों ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए समाज एकजुट है और प्रशासन से त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की अपेक्षा करता है। कैंडल मार्च एवं श्रद्धांजलि सभा के दौरान गांधी चौक पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

रामावतार असवाल हत्याकांड पर सर्वसमाज का आक्रोश

-न्याय की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा नेता एवं समाजसेवी रामावतार उर्फ पप्पू असवाल हत्याकांड को लेकर क्षेत्र में जनाक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को मनोहरपुर के शिव मंदिर परिसर में सर्वसमाज की बैठक आयोजित हुई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों और जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में हत्या की कड़ी निंदा करते हुए पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय दिलाने तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की गई। बैठक के बाद सर्वसमाज के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी (एसडीएम) को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि 1 जून को भाजपा नेता एवं समाजसेवी रामावतार असवाल की निर्मम हत्या कर दी गई थी, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक और रोष का माहौल है। लोगों ने मामले की उच्च स्तरीय जांच कर आरोपियों के खिलाफ शीघ्र चालान पेश करने तथा फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की। सर्वसमाज और परिजनों ने आरोपी तथा उसके परिवार की पृष्ठभूमि और संपत्तियों की गहन जांच कराने की मांग भी उठाई। ज्ञापन में सरकार से मृतक के परिवार को उचित आर्थिक सहायता देने, मृतक रामावतार असवाल के पुत्र को सरकारी नौकरी देने तथा आरोपी के परिजनों की संपत्ति पर बुलडोजर कार्रवाई करने की मांग की गई। वक्ताओं ने कहा कि रामावतार असवाल सामाजिक और जनसेवा कार्यों से जुड़े हुए थे तथा उनकी हत्या से पूरे क्षेत्र को गहरा आघात पहुंचा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पीड़ित परिवार को जल्द न्याय नहीं मिला तो सर्वसमाज आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होगा। इस दौरान विधायक मनीष यादव, भाजपा नेता उपेन यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रणवीर सिंह, एसडीएम संजीव खेदड़, थाना प्रभारी सुरेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

अमृत 2.0 के कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी अमृत-2.0 योजना के अंतर्गत शहर में पेयजल एवं सीवरेज अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न विकास कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। आमजन को परियोजनाओं की प्रगति से अवगत कराने हेतु संबंधित अधिकारियों को कार्यों की जोनवार एवं वार्डवार प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में बताया गया कि परकोटा क्षेत्र में पुरानी एवं जर्जर सीवर लाइनों के प्रतिस्थापन (Replacement of Old Sewer Lines)का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। इसके तहत विभिन्न स्थानों पर नई सीवर लाइनें डाली जा रही हैं, जिससे सीवरेज व्यवस्था में सुधार होगा तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी साथ ही आयुक्त श्री ओम कसेरा ने भी निर्देष दिये की जहां भी खुदाई कार्य किया गया है वहां कार्य होने के बाद उस स्थान की मरम्मत की जाये ताकि आमजन को अनावष्यक परेषानी ना हो। साथ ही परकोटा क्षेत्र के बाहर नई सीवर लाइन बिछाने (Laying of Sewer Line Outside Walled City) एवं पेयजल नेटवर्क सुदृढ़ीकरण के कार्यों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं तथा कार्यों की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए।

हनुमानगढ़ में 8 गैस एजेंसियों का औचक निरीक्षण

जयपुर/हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार उपभोक्ता हितों की सुरक्षा को लेकर सख्त रुख अपनाए हुए है। उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री सुमित गोदारा के निर्देश पर प्रदेशभर में गैस एजेंसियों और पेट्रोल पंपों के औचक निरीक्षण का अभियान चलाया जा रहा है, ताकि उपभोक्ताओं के साथ किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोका जा सके। इसी क्रम में शुक्रवार को हनुमानगढ़ जिले के टाउन, जंक्शन, मुंडा और रावतसर क्षेत्र में विधिक माप विज्ञान अधिकारियों अमित कुमार और देवकीनंदन के नेतृत्व में 8 गैस एजेंसियों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान घरेलू गैस सिलेंडरों में निर्धारित मानकों के अनुसार गैस की मात्रा सही पाई गई। अधिकारियों ने एजेंसियों के रिकॉर्ड और वितरण व्यवस्था की भी

जांच की। विभाग ने स्पष्ट किया है कि आगामी दिनों में भी राज्यभर में गैस एजेंसियों और अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़े प्रतिष्ठानों की नियमित जांच जारी रहेगी। यदि किसी एजेंसी में उपभोक्ता हितों के साथ खिलवाड़ या माप-तौल में गड़बड़ी पाई जाती है तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सरकार का उद्देश्य उपभोक्ताओं को सही माप-तौल के साथ गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराना है, ताकि आमजन के अधिकारों की प्रभावी रूप से रक्षा की जा सके।

राजस्थान कांग्रेस की कमान संभाल सकते हैं सचिन पायलट, संगठन में बड़े बदलाव के संकेत

जयपुर। राजस्थान कांग्रेस में जल्द बड़ा संगठनात्मक बदलाव देखने को मिल सकता है। सूत्रों के अनुसार, पार्टी नेतृत्व वरिष्ठ नेता सचिन पायलट को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) की कमान सौंपने पर विचार कर रहा है। यदि ऐसा होता है तो यह कांग्रेस के हालिया नेतृत्व परिवर्तन अभियान का एक महत्वपूर्ण कदम माना जाएगा। कांग्रेस पिछले कुछ समय से विभिन्न राज्यों में संगठन और नेतृत्व स्तर पर बदलाव कर रही है। इसी क्रम में अब राजस्थान में भी युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने की रणनीति पर काम किया जा रहा है। माना जा रहा है कि वर्ष 2028 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए पार्टी संगठन को मजबूत करने की तैयारी कर रही है।

सचिन पायलट का राजस्थान की राजनीति में मजबूत जनाधार माना जाता है। वह पहले भी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल

चुके हैं और उनके नेतृत्व में पार्टी ने विधानसभा चुनाव लड़ा था। हालांकि, मुख्यमंत्री पद को लेकर उनके और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बीच लंबे समय तक राजनीतिक मतभेद चर्चा का विषय बने रहे थे। वर्तमान में सचिन पायलट कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव हैं और छत्तीसगढ़ के प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। पार्टी के भीतर लंबे समय से कार्यकर्ताओं और समर्थकों की ओर से उन्हें राजस्थान में बड़ी जिम्मेदारी देने की मांग उठती रही है। ऐसे में प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए उनका नाम सबसे प्रमुख माना जा रहा है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि पायलट को राजस्थान कांग्रेस की कमान सौंपी जाती है तो इससे संगठन में नई ऊर्जा का संचार हो सकता है। साथ ही युवा कार्यकर्ताओं को भी मजबूत संदेश जाएगा कि कांग्रेस भविष्य की राजनीति में नए नेतृत्व को आगे बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है। हालांकि, पार्टी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन सूत्रों के अनुसार आने वाले दिनों में इस संबंध में बड़ा फैसला सामने आ सकता है।

SDM और भाजपा प्रत्याशी उपेन यादव के औचक निरीक्षण से CHC में मचा हड़कंप

-चिकित्सा प्रभारी कक्ष में एसी-पंखे चालू मिले, शौचालयों में गंदगी पर जताई नाराजगी

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का बुधवार को उपखंड अधिकारी संजीव खेदड़ एवं भाजपा प्रत्याशी उपेन यादव ने संयुक्त रूप से औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण की सूचना मिलते ही अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का जायजा लिया। वार्ड में एक ही बेड पर दो मरीज भर्ती पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी जताई और व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए। इसके बाद महिला एवं पुरुष शौचालयों का निरीक्षण किया गया, जहां भारी गंदगी मिली। शौचालयों की दीवारों पर धूम्रपान के निशान, डिस्पोजल गिलास तथा अन्य प्रकार का कचरा बिखरा होने पर अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों को फटकार लगाई। निरीक्षण के दौरान

उपखंड अधिकारी संजीव खेदड़ चिकित्सा प्रभारी डॉ. नरेंद्र भड़ाना के कक्ष में भी पहुंचे। उस समय चिकित्सा प्रभारी कक्ष में मौजूद नहीं मिले, जबकि कमरे में लगी एसी और पंखे चालू पाए गए। सरकारी संसाधनों और बिजली दुरुपयोग को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम ने उपस्थिति रजिस्टर में टिप्पणी दर्ज कर चिकित्सा प्रभारी को अनुपस्थित अंकित किया। वही वार्ड में करीब 3 से 4 साल से दांतो की मशीन पड़ी धूल फांक रही है। जिसको अभी तक उपयोग में नहीं लिया गया। उपखंड अधिकारी ने कहा कि निरीक्षण रिपोर्ट तैयार कर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) को भेजी जाएगी, ताकि संबंधित मामले में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों ने कई आवश्यक निर्देश भी दिए।

राज्यसभा उम्मीदवार बनने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

-लड्डू बांटकर और आतिशबाजी कर जताई खुशी, शीर्ष नेतृत्व का जताया आभार

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा राजस्थान से दो ओबीसी नेताओं को राज्यसभा उम्मीदवार बनाए जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं और समाजबंधुओं ने हर्ष व्यक्त किया। इस अवसर पर दौसा रोड पर कार्यकर्ताओं ने लड्डू वितरण कर तथा आतिशबाजी कर खुशी मनाई। कार्यकर्ताओं ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तथा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने ओबीसी समाज को सम्मानजनक प्रतिनिधित्व प्रदान किया है। गुर्जर समाज से भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अलका गुर्जर तथा जाट समाज से हरियाणा भाजपा प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया को राज्यसभा उम्मीदवार घोषित किया जाना

प्रदेश के ओबीसी समाज के लिए गौरव का विषय है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि भाजपा का यह निर्णय सामाजिक समरसता और सभी वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने दोनों नेताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल संसदीय कार्यकाल की कामना की। इस दौरान मंडल उपाध्यक्ष नंदलाल गुर्जर, रामावतार यादव, युवा मोर्चा जिला संयोजक महेंद्र कसाना, राहुल यादव, विश्राम, प्रहलाद गुर्जर, पूर्व मंडल अध्यक्ष रामप्रकाश नाई सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस निर्णय का स्वागत किया और इसे राजस्थान के ओबीसी समाज के सम्मान तथा सशक्त प्रतिनिधित्व की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

कोटा में वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान का समापन, ऊर्जा मंत्री ने दिलाई जल संरक्षण की शपथ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कोटा के किशोर सागर स्थित सेवन वंडर्स पार्क में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का जिला स्तरीय समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने की। इस अवसर पर जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभागों, संस्थाओं और व्यक्तियों को 'जल गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया। समारोह का शुभारंभ किशोर सागर तालाब के घाट पर जल वंदन और दीपदान के साथ हुआ। ऊर्जा मंत्री ने जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि जल और पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन को जनभागीदारी से जोड़ा गया है, जो पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक, चरी नृत्य, महारास, मारवाड़ी बारात और भवाई नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दिया गया। प्रसिद्ध कलाकार कुमार गंधर्व की भवाई प्रस्तुति ने दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित किया। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों का संरक्षण और जल का विवेकपूर्ण उपयोग भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रभावी उपाय हैं। उन्होंने सूखा और गीला कचरा अलग-अलग रखने तथा उसके वैज्ञानिक प्रबंधन पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि सांगोद विधानसभा क्षेत्र में जल संचयन, जलाशयों के सौंदर्यीकरण और जल संरक्षण से जुड़े कई कार्य प्राथमिकता के आधार पर किए गए हैं। कार्यक्रम के दौरान ऊर्जा मंत्री ने उपस्थित नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई और अभियान की सफलता में जनसहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज, प्रशासन और स्वयंसेवी संस्थाओं की सहभागिता से ही ऐसे अभियान सफल हो सकते हैं। समारोह में संभागीय आयुक्त अनिल कुमार अग्रवाल, नगर निगम आयुक्त ओमप्रकाश मेहरा, अभियान के नोडल अधिकारी कमल कुमार मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

स्वच्छ सर्वेक्षण-2026: मुख्य सचिव ने जयपुर समेत 4 शहरों की तैयारियों की समीक्षा, वेस्ट-टू-वेल्थ मॉडल पर दिया जोर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के तहत स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए जयपुर, उदयपुर, अलवर और नाथद्वारा नगर निकायों को स्वच्छता कार्यों को अधिक प्रभावी, परिणामोन्मुखी और जनसहभागिता आधारित बनाने के निर्देश दिए।

सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक में चारों शहरों द्वारा स्वच्छता प्रबंधन, कचरा संग्रहण, अपशिष्ट प्रसंस्करण, जनजागरूकता और नवाचार आधारित पहलों का प्रस्तुतीकरण किया गया। मुख्य सचिव ने कहा कि स्वच्छता से जुड़ी सभी गतिविधियों का डेटा आधारित विश्लेषण किया जाए और उपलब्धियों को इन्फोग्राफिक्स के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि प्रत्येक परियोजना के लाभ, लाभार्थियों की संख्या, मानव संसाधन और उसके वास्तविक प्रभाव को स्पष्ट रूप से दर्शाया जाए।

बैठक के दौरान श्रीनिवास ने वेस्ट-टू-वेल्थ (कचरे से संपदा) मॉडल को भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए नगर निकायों को अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन और संसाधन पुनर्प्राप्ति की दिशा में और अधिक प्रयास करने को कहा। उन्होंने सफल मॉडलों और नवाचारों को अन्य शहरों में भी लागू करने की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, तय कलेक्शन रूट्स, शिकायतों के त्वरित निस्तारण और शहरों में दृश्य स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के प्रयास केवल रिकॉर्ड तक सीमित न रहें, बल्कि नागरिकों को प्रत्यक्ष रूप से दिखाई भी देने चाहिए। इसके साथ ही कचरा संवेदनशील स्थलों को समाप्त करने की दिशा में निरंतर कार्य करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने स्वच्छता व्यवस्था में तकनीक के अधिकतम उपयोग की वकालत करते हुए ऑटोमेटेड पेनल्टी सिस्टम जैसे नवाचारों की सराहना की। पर्यटन स्थलों और प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्रों में मैकेनाइज्ड स्वीपिंग को बढ़ावा देने तथा जनजागरूकता अभियानों को और प्रभावी बनाने के निर्देश भी दिए। बैठक में नाथद्वारा के वेस्ट-टू-वेल्थ मॉडल और जनभागीदारी आधारित स्वच्छता पहलों की विशेष सराहना की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि ऐसे नवाचार अन्य नगर निकायों के लिए प्रेरणादायक हैं और इन्हें व्यापक स्तर पर अपनाया जाना चाहिए। बैठक में स्वायत्त शासन विभाग और नगर निकायों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

ब्रीफ खबरें

भारत माता बीपीएड कॉलेज में विदाई समारोह सम्पन्न, भावुक हुए छात्र-छात्राएँ

किशनगंज (रॉयल पत्रिका)। भारत माता बीपीएड कॉलेज में अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं के सम्मान में आयोजित विदाई समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भंवरगढ़ थानाधिकारी गोपीचंद एवं किशनगंज थानाधिकारी रमेश चंद उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथियों के रूप में देवेन्द्र परमार एवं प्रमोद राठौर ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज चेयरमैन डॉ. मजीद मलिक कमांडो ने की। इस अवसर पर निदेशक डॉ. अरमान मलिक, प्राचार्य डॉ. मूलचंद शर्मा, रिया सक्सेना, श्याम मेहता, हेमराज नायक सहित महाविद्यालय परिवार के सदस्य मौजूद रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच के साथ जीवन में आगे बढ़ने का संदेश देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डॉ. मजीद मलिक कमांडो एवं निदेशक डॉ. अरमान मलिक ने कहा कि महाविद्यालय से प्राप्त शिक्षा और संस्कार विद्यार्थियों को हर क्षेत्र में सफलता दिलाने में सहायक सिद्ध होंगे। विदाई के दौरान जब विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों और साथियों के साथ बिताए दो वर्षों की यादों को साझा किया तो माहौल भावुक हो गया। कई छात्र-छात्राओं की आँखें नम हो गईं और उन्होंने गुरुजनों के प्रति सम्मान एवं आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत माता बीपीएड कॉलेज से जुड़ी यादें जीवनभर उनके साथ रहेंगी। समारोह के अंत में सभी अतिथियों का सम्मान किया गया तथा छात्र-छात्राओं को स्मृति चिह्न भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य, सफलता और सुखद जीवन की शुभकामनाओं के साथ विदाई दी गई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

विश्व पर्यावरण दिवस पर स्वीप कार्यक्रम ओर विविध मतदाता जागरूकता प्रतियोगिता हुई आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर निर्वाचन विभाग द्वारा निर्धारित थीम एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कलक्टर बालमुकुंद असावा एवं सीईओ व नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशन में राजस्थान राज्य स्काउट एवं गाइड के अभिरुचि प्रशिक्षण शिविर में स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत सह प्रभारी स्वीप अमित भार्गव ने उपस्थित जन को मतदान का संकल्प कराते हुए प्रशिक्षणार्थी को निर्वाचन के ऑनलाइन एप्लीकेशंस की जानकारी दी तथा ईसीआई नेट ऐप द्वारा मतदाता सूची में अपना पंजीयन स्वयं करने एवं निर्वाचन संबंधी विविध कार्यों की जानकारी दी, इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों के मध्य निबंध,भाषण,रंगोली एवं पोस्टर प्रतियोगिता कराई गई जिसमें प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान विजेताओं को पुरस्कृत किया गया,कार्यक्रम में बालिकाओं ने मतदाता जागरूकता गीत पर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति से जागरूकता का संदेश दिया, साथ ही शहर के स्वामी विवेकानंद उद्यान में प्रशिक्षणार्थियों एवं स्काउट गाइड सदस्यों ने सघन वृक्षारोपण किया। इस दौरान प्रधानाचार्य हंसराज नागर, स्वीप सदस्य रामचरण मीणा,रोवर लीडर महेश कुमार सेन,स्काउट भवानी शंकर मीणा, सुनीता सेन मीनाक्षी पोसवाल, हरीश सिंह, एवं गणमान्य जन मौजूद रहे।

वंदे गंगा अभियान के समापन पर सांस्कृतिक संध्या में गूंजा जल संरक्षण का संदेश

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित "वंदे गंगा" जल संरक्षण जन अभियान के समापन पर शुक्रवार शाम सुभाष चौक में जिला प्रशासन द्वारा भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गीत-संगीत, लोक प्रस्तुतियों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से जल संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा एवं पौधारोपण का प्रभावी संदेश दिया गया। कार्यक्रम में कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के जरिए जल बचाने, प्लास्टिक का उपयोग कम करने तथा प्रकृति संरक्षण के प्रति आमजन को जागरूक किया। सांस्कृतिक संध्या में लक्ष्मी नारायण रावल पार्टी एवं स्थानीय गर्ल्स स्कूल महात्मा गाँधी स्टेशन की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय पाठक, अतिरिक्त जिला कलक्टर रामचंद्र खटीक, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद दशोरा, माध्यमिक एवं प्रारंभिक जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र कुमार शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पारस टेलर द्वारा किया गया। सांस्कृतिक संध्या के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं जल बचाने का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का सार्थक प्रयास किया गया।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

बच्चों पर पढ़ाई का अनावश्यक दबाव न डालें, हर बच्चे में अलग प्रतिभा होती है : जिला कलक्टर

-रात्रि चौपाल में विद्यार्थियों का सम्मान, ग्रामीण समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। भदेसर ब्लॉक की ग्राम पंचायत सुखवाड़ा में आयोजित रात्रि चौपाल में जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि बच्चों पर पढ़ाई को लेकर अनावश्यक दबाव नहीं डालना चाहिए। प्रत्येक बच्चे में अलग प्रतिभा होती है और जीवन में सफलता के अनेक मार्ग होते हैं। उन्होंने कहा कि कई विद्यार्थी आईएएस एवं आरएएस जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, ऐसे में परिवारजनों को चाहिए कि वे बच्चों का मनोबल बढ़ाएं, न कि कम अंक आने या पढ़ाई में कमजोर होने पर उन्हें डांटे या मानसिक रूप से परेशान करें। जिला कलक्टर ने कहा कि किसी बच्चे के भविष्य में क्या लिखा है, यह कोई नहीं जानता। इसलिए बच्चों को सकारात्मक वातावरण देकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर नियमित अध्ययन करने एवं आत्मविश्वास बनाए रखने की सीख दी। इस अवसर पर विद्यालय में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने एवं विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान भी किया गया। रात्रि चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने विभिन्न समस्याएं जिला प्रशासन के समक्ष रखीं। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि

प्राप्त परिवादों का संवेदनशीलता के साथ त्वरित निस्तारण किया जाए। उन्होंने कुछ मामलों में 7 से 15 दिवस में कार्रवाई कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, वहीं कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान करवाया गया। चौपाल में चारागाह भूमि पर हो रही अवैध माइनिंग को लेकर भी ग्रामीणों ने मांग रखी, जिस पर जिला कलक्टर ने अतिरिक्त जिला कलक्टर को जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसके अलावा चरनोट भूमि पर अतिक्रमण, ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था, पेयजल समस्या, सुखवाड़ा से हसमतगढ़ तक सड़क निर्माण, भूमि एवं आवास उपलब्ध करवाने सहित रसद, सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग से संबंधित मामलों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही मंगला पशु योजना के तहत कई कृषकों को लाभ योजना के प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। विशेष बात यह रही कि जिला कलक्टर डॉ. मंजू सहित जिला स्तरीय अधिकारी जिला मुख्यालय से बस में सवार होकर रात्रि चौपाल में पहुंचे। इस पहल के माध्यम से ईंधन बचत, पर्यावरण संरक्षण एवं सामूहिक कार्य संस्कृति का संदेश दिया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय पाठक, अतिरिक्त जिला कलक्टर रामचंद्र खटीक, उपखंड अधिकारी रजनी मीणा, तहसीलदार शिव सिंह, विकास अधिकारी अनिल टेलर, जनप्रतिनिधि, जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कोटा-बूंदी की जनता विकास और सेवा की राजनीति को पहचानती है – जैफ मंसूरी

कोटा (रॉयल पत्रिका)। भाजपा नेता जैफ खां मंसूरी ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा कोटा आकर चाहे जितनी राजनीतिक भविष्यवाणियाँ कर लें, लेकिन कोटा-बूंदी की जनता अपने जनप्रतिनिधियों का मूल्यांकन बयानों से नहीं, बल्कि उनके कार्यों और जनसेवा के आधार पर करती है। उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने वर्षों से जनसेवा, विकास कार्यों और जनता के विश्वास के बल पर अपनी अलग पहचान बनाई है। देश के लोकसभा अध्यक्ष के रूप में उन्होंने लोकतांत्रिक परंपराओं एवं संसदीय गरिमा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है, जिस पर पूरे राजस्थान को गर्व है।

दादाबाड़ी मंडल सदस्य भाजपा नेता जैफ खामंसूरी ने कहा कि चुनाव लड़ना है या नहीं, यह निर्णय ओम बिरला जी और पार्टी नेतृत्व का विषय है, लेकिन जीत और हार का फैसला केवल जनता करती है, विपक्षी नेताओं की घोषणाएँ नहीं। उन्होंने कहा कि कोटा-बूंदी की जनता विकास, विश्वास और सेवा की राजनीति को भली-भांति पहचानती है। समय आने पर जनता स्वयं तय करेगी कि उसे काम करने वाला नेतृत्व चाहिए या केवल मंचों से बयान देने वाली राजनीति। जैफ खां मंसूरी ने कहा कि आज ओम बिरला जी ने अपने कार्यों, सरल स्वभाव और जनसेवा के कारण ऐसी पहचान बनाई है कि कोटा-बूंदी ही नहीं, बल्कि पूरे देश और दुनिया में लोग उन्हें सम्मान के साथ जानते हैं। उनकी कार्यशैली और नेतृत्व ने क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है।

एचएलबी निरीक्षण में घर-घर जाकर सही सूचना संकलन पर जोर

-एडीएम जनागल सहित अधिकारियों ने एचएलबी संख्या 16 से 21 तक का किया भौतिक सत्यापन

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । जिला प्रशासन द्वारा मकान सूचीकरण एवं जनगणना संबंधी कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एचएलबी का भौतिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एचएलबी संख्या 16 से 21 तक का स्थल पर जाकर गुणात्मक रूप से वास्तविक स्थिति का आंकलन एवं अंकन चौक किया गया। निरीक्षण के समय अतिरिक्त जिला कलक्टर भंवरलाल जनागल, संबंधित चार्ज अधिकारी, सुपरवाइजर एवं प्रगणक भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने Enumerator द्वारा एकत्रित किए गए डाटा का मौके पर सत्यापन किया और प्रविष्टियों की वास्तविकता से मिलान किया। इस दौरान ग्रामीणों से भी संवाद किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि प्रगणक उनके घर-घर जाकर जानकारी एकत्र कर रहे हैं और सही-सही सूचना भरवाई जा रही है। उन्होंने प्रगणकों के व्यवहार एवं कार्यप्रणाली पर संतोष व्यक्त किया। जिला प्रशासन ने कहा कि मकान सूचीकरण कार्य में पारदर्शिता एवं शुद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी क्रम में नियमित निरीक्षण कर डाटा की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा रही है ताकि अंतिम डाटा पूर्णतः विश्वसनीय हो।

ढाढर में आयोजित हुई जिला स्तरीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला

- चूरू विधायक हरलाल सहारण ने की शिरकत

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिले के निकटवर्ती गांव ढाढर में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र सरकार की 12 वर्षों की ऐतिहासिक उपलब्धियों के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चूरू विधायक हरलाल सहारण ने शिरकत कर किसानों से संवाद किया। विधायक सहारण ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 12 वर्षों में किसानों, युवाओं, महिलाओं के विकास और समृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाएं हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत बनाने के संकल्प को साकार

करने की दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने किसानों को उर्वरकों के संतुलित उपयोग से मृदा संरक्षण तथा खेती, मिट्टी, पानी की सुरक्षा के प्रति जागरूक रहकर खेती लागत कम करने, उत्पादन बढ़ाने और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करने का आह्वान किया। आत्मा परियोजना निदेशक डॉ. राजकुमार कुल्हरी ने किसानों को ग्रीष्म ऋतु में गहरी जुताई, खेत की मेड़बंदी और नीम आधारित कीटनाशकों के उपयोग व जैव उर्वरकों जैसे राइजोबियम, पीएसबी, अजोटोबैक्टर के प्रयोग की जानकारी दी। कृषि संयुक्त निदेशक डॉ. धर्मवीर डूडी ने परंपरागत और प्राकृतिक खेती के तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की। उन्होंने वैकल्पिक उर्वरकों एवं संतुलित पोषक प्रबंधन पद्धतियों के उपयोग हेतु जागरूकता बढ़ाने, यूरिया और डीएपी के विकल्प के रूप में एनपीके, एसएसपी उर्वरकों के साथ-साथ जैव उर्वरक, नैनो उर्वरक, जैविक खाद और सूक्ष्म पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ाने की जानकारी दी। कार्यशाला में नारायण बेनीवाल, सुभाष, पंकज गुर्जर, सूबेदार हरिश्चंद्र, बजरंग कस्वां, केसराराम, सुखराम स्वामी सहित कृषि विभाग अधिकारी, कर्मचारी, किसान एवं महिला कृषक उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर ने मानसून के दौरान खाद्यान्न व अन्य आवश्यक पदार्थों के रिजर्व स्टॉक रखने के दिए निर्देश

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने आदेश जारी कर जिले में दक्षिण-पश्चिम मानसून, वर्ष 2026 के दौरान जिले में जलभराव/बाढ़ की सम्भावना को ध्यान में रखते हुए खाद्यान्न व अन्य आवश्यक पदार्थों के रिजर्व स्टॉक रखने के निर्देश दिए हैं। जारी आदेशानुसार जिला कलक्टर ने राजस्थान खाद्यान्न एवं अन्य आवश्यक पदार्थ (वितरण का विनियमन) आदेश, 1976 के अनुछेद 20 के अन्तर्गत पदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए रिजर्व स्टॉक 30 सितंबर, 2026 तक रखने हेतु जिले के पीडीएस थोक विक्रेता/उचित मूल्य दुकानदार/गैस एजेन्सी/पेट्रोल पम्प को निर्देश दिए हैं। आदेशानुसार समस्त उचित मूल्य दुकानदारों (एफपीएस) को 10 क्विंटल गेहूं, समस्त गैस एजेन्सीज (एलपीजी) को 50 सिलेण्डर एवं 5000 लीटर डीजल व 2000 लीटर पेट्रोल का रिजर्व स्टॉक रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसी के साथ सभी प्रवर्तन स्टॉफ को अपने-अपने क्षेत्र में सम्भावित जिले में जलभराव/बाढ़ की स्थिति में प्रभावित क्षेत्रों में खाद्यान्न एवं अन्य आवश्यक पदार्थ की आपूर्ति एवं रख-रखाव की व्यवस्था करने एवं बाढ़ की स्थिति में स्वैच्छिक संगठनों को भी आगे आने के लिए प्रेरित करने तथा उचित मूल्य दुकानदारों के पास सरकार की विभिन्न योजनाओं का स्टॉक में रखे गेहूं के उचित रख-रखाव एवं भण्डारण की समुचित व्यवस्था कराने के निर्देशन दिए हैं।

'एक पेड़ लोकतंत्र के नाम' अभियान के तहत किया पौधारोपण

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार "एक पेड़ लोकतंत्र के नाम" स्वीप गतिविधि के तहत शुक्रवार को मिनी सचिवालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) अजय सिंह राठौड़, उप जिला निर्वाचन अधिकारी (अति. जिला कलक्टर) अनुराग भार्गव तथा रिटर्निंग अधिकारी (उपखण्ड अधिकारी) भवानीमण्डी श्रद्धा गोमे ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संदेश दिया। इस अवसर पर जिला

निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से पर्यावरण संरक्षण के लिए कम से कम एक पौधा लगाने तथा उसके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण पर्यावरण संतुलन बनाए रखने तथा आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के दौरान कलेक्ट्रेट कार्यालय के समस्त कार्मिकों ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी सहभागिता सुनिश्चित की तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

14 जून को जयपुर में दादा नवाब कायम खान की शहादत दिवस पर होंगे कार्यक्रम - डॉ. खानु खान बुधवाली

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर उस्मानाबाद कॉलोनी स्थित मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एजुकेशनल इंस्टिट्यूट चूरू में आजम अली खां पिथीसर पूर्व सरपंच की अध्यक्षता में कायमखानी समाज की मीटिंग सम्पन्न हुई। मीटिंग में मुख्य अतिथियों में डॉक्टर खानु खान बुधवाली चेयरमैन मुस्लिम वक्फ बोर्ड, राजस्थान सरकार, पूर्व वक्फ बोर्ड चेयरमैन सलावत खां, मुस्ताक खां खात्यासनी जिला परिषद सदस्य, सिकंदर खां नियाजी, ख़ुशी मोहम्मद एडवोकेट दिल्ली सुप्रीम कोर्ट, मचासीन रहे और सम्बोधित किया। एवं भवन का निरीक्षण किया। डॉ. बुधवाली ने 14 जून को जयपुर में दादा नवाब कायम खां की शहादत के दिन पर रखें गए कार्यक्रम में सभी को ज्यादा से ज्यादा संख्या में पधारने का निमंत्रण दिया। कार्यक्रम में शेर खां मलकाण सहजूसर, हनीफ खां सामदखानी, इनायत खां मोयल, इलियास खां झारिया, मुंशी खां चायल, रिजवान दिलावर, मैनुदीन फतेहखानी, शाहरुख़ खां पार्षद, तौफीक खां पार्षद, आबिद मंसूर, शमशेर भालू खां, गुलशन खां, आरिफ खां खानजानी, अयूब खां PHED, अदरीश खां, Adv. इकरार खां, अनवर खां, तौफीक खां, अयूब खां सहजुसर, इंतजार खां, सलीम खां आदि लोग उपस्थित रहे।

कायमखानी छात्रावास चूरू में युनस खान पूर्व मंत्री राजस्थान सरकार के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित कायमखानी छात्रावास चुरू में कायमखानी समाज की मीटिंग हुई आने वाली 14 जून को "नवाब दादा कायम खां" के शहादत दिवस पर ददरेवा में होने वाले कार्यक्रम को लेकर एक आम सभा का आयोजन किया गया ओर इस दिन को विशेष बनाने के लिए ददरेवा में सभी से ज्यादा से ज्यादा कॉम के लोगों को आने की दावत दी गई। ओर आम सभा में "नवाब दादा कायम खां सैनिक एकेडमी, राजस्थान कायमखानी महासभा, चुरू (राज.) का प्रस्ताव लिया गया, जिस पर आने वाली 14 तारीख को ददरेवा में राजस्थान भर से आने वाले कायमखानी सरदारों से राय शुमारी कर इस पर अमल किया जाएगा, क्यों कि कायमखानी समाज ने हमेशा मुल्क के लिए देश भक्ति से ओत प्रोत ओर हौसलों के साथ देश के लिए हर बार शहादते दी हैं जो राष्ट्र के लिए बदस्तूर जारी रहे ओर युवाओं को सैनिक एकेडमी में मार्गदर्शन मिलता रहे। इस मौके पर मुख्य अतिथि पूर्व केबिनेट मंत्री यूनुस खान डीडवान, एवं अध्यक्षता मुंशी खान चांद खानी ने की एजाज

खान, रोल साबसर, महासभा जिला अध्यक्ष मुंशी खान, तहसील अध्यक्ष रमज़ान खान जोईया, छात्रावास कमेटी सदर जब्बार खान, महमूद खान, ज़ाकिर खान के के पूर्व जिला अध्यक्ष, अख्तर खान, शमशेर गांधी, रिज़वान खान, आमीन खान, शाहबाज, सिकंदर खान, उम्मीद खान रतननगर, बशीर खान आसलू, मुमताज खान जमालखानी, मजीद खान सरपंच राणासर, सलीमुद्दीन खान मास्टरजी, जंगशेर खान पूर्व सरपंच पीथीसर, आरिफ खान नेता, भंवरू खां ठेकेदार, शकील दुर्रानी, मकसूद खान चेयरमैन रतननगर, अजीज पार्षद, नाजम अली खान पीथीसर, हिदायत खान दिलावरखानी, सबीर खान अगुना मोहल्ला, अन्य बहुत से कॉम के ज़िम्मेदारों ने प्रोग्राम में शिरकत कर प्रोग्राम को सफल बनाया। केबिनेट मंत्री यूनुस खान ने कहा कॉम को तालीम के लिए जहां मेरी जरूरत हो में हर वक्त आपकी सेवा में हाजिर रहूंगा, कॉम में पहले से कहीं ज्यादा समाज में जागृति आई है ओर जागृति हमे कॉम में लेके आनी है। जिसके लिए हम सबको हर वक्त तैयार रहना चाहिए। छात्रावास अध्यक्ष जब्बार खान ने सभी का आभार व्यक्त किया।

वोडाफोन आइडिया ने मेटा प्लेटफार्म्स का इस्तेमाल करने वाले वी के यूज़र्स को वैरिफिकेशन का सुरक्षित

मुंबई, एजेंसी। भारत के अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता, वोडाफोन आइडिया ने अ वी के यूज़र्स के लिए मेटा प्लेटफॉर्म्स व्हॉट्सऐप, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर साइलेन्ट मोबाइल वैरिफिकेशन क्षमताएं लॉन्च करने की घोषणा की है, जिससे लाखों यूज़र सुरक्षित, सहज एवं पासवर्ड रहित डिजिटल अनुभव पा सकेंगे। साइलेन्ट मोबाइल वैरीफिकेशन एक सुरक्षित, नेटवर्क आधारित आथेंटिकेशन टेक्नोलॉजी है जो यूज़र के मोबाइल नंबर को बैकग्राउंड में ही वैरिफाय कर देती है। इसके लिए यूज़र को न तो वैरिफ़िकेशन क्रेडेंशियल मैनुअली डालने पड़ते हैं, न ही ऐप्स के बीच स्विच करना पड़ता है, और न ही वैरिफ़िकेशन मैसेज का इंतज़ार करना पड़ता है। जब भी वी का यूज़र वी मोबाइल नेटवर्क पर व्हॉट्सऐप, फेसबुक और इंस्टाग्राम का इस्तेमाल करता है, तो वैरिफ़िकेशन की रिक्वेस्ट सीधे टेलीकॉम नेटवर्क के ज़रिए वैरिफाय हो जाती है, जिससे यूज़र को एक तेज़ और बिना किसी रुकावट वाला अनुभव मिलता है ।वी के यूज़र्स को नए यूज़र रजिस्ट्रेशन, मोबाइल नंबर वैरिफ़िकेशन, लॉग-इन और री-लॉग-इन, अकाउंट रिकवरी और सिक्योरिटी चैक के दौरान ऑथेंटिकेशन जैसी स्थितियों में एसएमवी-सपोर्टेड अनुभव मिल सकते हैं। लॉन्च के अवसर पर वोडाफ़ोन आइडिया लिमिटेड के सीईओ अभिजीत किशोर ने कहा : टेलीकॉम नेटवर्क, उपभोक्ताओं को सुरक्षित डिजिटल अनुभव प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आज लाखों उपभोक्ता अपने रोज़मर्रा के कामों के लिए वी के सुरक्षित टेलीकॉम नेटवर्क पर निर्भर हैं, इसी के मद्देनज़र हम इन अनुभवों का पैमाना बढ़ा रहे हैं। मेटा के साथ साझेदारी के द्वारा हम एसएमवी क्षमताएं बढ़ा रहे हैं जो साइबर सुरक्षा को बढ़ाकर धोखाधड़ी का जोखिम कम कर सकें।

आधार हाउसिंग फाइनेंस ने मध्य प्रदेश में पीएमएवाई के ज़रिये घर खरीदना आसान बनाया

भोपाल। आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत इंदौर में घर खरीदना बेहद आसान और किफायती बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार की इस किफायती आवास योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाने और होम लोन मिलने की प्रक्रिया को सरल करने के उद्देश्य से, कंपनी 5 और 6 जून को पूरे राज्य में पीएमएवाई स्पॉट सेंक्शन कैंप आयोजित कर रही है। ये कैंप योग्य ग्राहकों को इस योजना के फायदों, सब्सिडी की पात्रता और आसान होम लोन प्रक्रिया को समझने में मदद करेंगे, जिससे भोपाल के साथ-साथ मध्य प्रदेश के अन्य बड़े शहरों और छोटे कस्बों के ग्राहकों को सीधा फायदा मिलेगा। ऋषि आनंद, मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ने कहा, आधार हाउसिंग फाइनेंस में, हम पूरे भारत में वंचित और जरूरतमंद परिवारों के लिए किफायती घर खरीदने की राह को और आसान बनाना चाहते हैं। कम आय वाले आवासों पर सरकार की लगातार केंद्रित नीतियों और पीएमएवाई को मिली नई रफ्तार ने पहली बार घर खरीदने वालों के लिए औपचारिक होम लोन पाना बहुत आसान बना दिया है। हमारे स्पॉट सेंक्शन कैंप के माध्यम से, हमारा उद्देश्य होम लोन की पहुंच को सरल बनाना, जागरूकता बढ़ाना और उभरते बाजारों में घर का सपना देखने वाले लोगों को उनके अपने घर के सफर में हर संभव मदद करना है।अनिल नायर, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ने कहा, हमारे पीएमएवाई कैंपों में दी जाने वाली सब्सिडी के माध्यम से हमारा उद्देश्य पहली बार घर खरीदने वालों के वित्तीय बोझ को कम करना है, जिससे सीमित आय वाले लोगों के लिए भी अपना घर होना और आसान हो सके।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 682 अरब डॉलर पर, 11 महीने के आयात के लिए पर्याप्त: आरबीआई

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार 682.3 अरब डॉलर के मजबूत स्तर पर है जो लगभग 11 महीनों के आयात के लिए पर्याप्त है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि विभिन्न नीतिगत पहल भुगतान संतुलन को मजबूत करने में मदद करेंगी। उन्होंने बताया कि इन उपायों में प्रमुख व्यापार साझेदारों के साथ हाल के समझौते, बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति, एथनॉल मिश्रण कार्यक्रम, ऊर्जा बदलाव को बढ़ावा, सीमावर्ती देशों के लिए एफडीआई नियमों में ढील, बाह्य यानी विदेशों से वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) ढांचे का उदारीकरण और अन्य कदम शामिल हैं।

उन्होंने कहा, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 29 मई 2026 तक 682.3 अरब डॉलर के मजबूत स्तर पर था, जो लगभग 11 महीने के आयात और विदेशी ऋण (89.1 प्रतिशत) जैसे भंडार पर्याप्तता के मानकों के हिसाब से पर्याप्त है। गवर्नर ने कहा, हमारा विदेशी मुद्रा भंडार बाहरी झटकों से सुरक्षा प्रदान करता है। हमारे पास नियामकीय तथा बाजार-आधारित कई साधन हैं जिनसे आवश्यकता पड़ने पर प्रभावी कदम उठाए जा सकते हैं। इस संदर्भ में हम सतर्क हैं और व्यवस्थित बाजार स्थिति बनाए रखने के लिए जो भी आवश्यक होगा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 22 मई को समाप्त सप्ताह में 7.51 अरब डॉलर घटकर 681.38 अरब डॉलर रहा। इस वर्ष 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में यह भंडार 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा था, लेकिन पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने के बाद कई सप्ताह तक इसमें गिरावट आई। इसका कारण रुपये पर दबाव बढ़ा और भारतीय रिजर्व बैंक को डॉलर बेचकर विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करना पड़ा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार दो जनवरी, 2026 को समाप्त सप्ताह में 686.801 अरब डॉलर था।

मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था की उत्पादक आवश्यकताओं को पूरा करने और मौद्रिक नीति के प्रभावी प्रसारण के लिए बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त नकदी सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि 2025-26 में वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल के बीच भारत ने ऊंचे शुल्क और व्यापार से जुड़ी अनिश्चितताओं का सफलतापूर्वक सामना किया। गवर्नर ने कहा कि ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी और व्यापार नीति से जुड़ी अनिश्चितताएं 2026-27 में भारत के चालू खाते के घाटे के बढ़ने का जोखिम उत्पन्न करती हैं। उन्होंने कहा कि सेवा व्यापार में अधिशेष और विदेश से आने वाले धन प्रेषण कुछ राहत प्रदान करेंगे।

सोना-चांदी में बड़ी गिरावट, गोल्ड 1,200 से अधिक टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू वायदा बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार गिरावट देखने को मिली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मौद्रिक नीति घोषणा से पहले निवेशकों में सतर्कता रही, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कमजोरी का असर घरेलू बाजार पर दिखाई दिया। बाजार जानकारों का मानना है कि जब तक पश्चिम एशिया में तनाव कम नहीं होता और ब्याज दरों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं होती, तब तक सोना और चांदी में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। एमसीएक्स पर सोने के वायदा भाव की शुरुआत 949 रुपये या 0.59 फीसदी की गिरावट के साथ 1,58,598 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हुई। सुबह 9:05 बजे तक सोना 1,217 रुपये या 0.76 फीसदी टूटकर 1,58,330 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। चांदी की कीमत 4,772 रुपये या 1.8 फीसदी की गिरावट के साथ 2,60,024 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुली। कारोबार के दौरान चांदी 3,597 रुपये या 1.36 फीसदी टूटकर 2,61,199 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 0.5 फीसदी गिरकर 4,452.20 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। इस सप्ताह अब तक सोने में करीब 1.8 फीसदी की गिरावट दर्ज की जा चुकी है। वहीं अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स 0.6 फीसदी टूटकर 4,478.50 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहे थे। चांदी की कीमत भी 1.4 फीसदी गिरकर 72.89 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने से बढ़ी चिंता: बाजार पर दबाव की सबसे बड़ी वजह पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव है। ईरान समर्थित हिजबुल्लाह ने लेबनान में नए सीजफायर के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। वहीं इजरायल ने भी सैनिकों की वापसी से इनकार कर दिया है। इससे अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति समझौते की उम्मीदों को झटका लगा है। बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से महंगाई और ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंकाएं भी मजबूत हुई हैं।

रिलायंस कंज़्यूमर ने लॉन्च किया 'ऐलन्स पोटैटो चिप्स' का लिमिटेड-एडिशन फुटबॉल कलेक्शन

आरसीपीएल भारत में लेकर आया फुटबॉल के फ्लेवर का रोमांच

मुंबई, एजेंसी। दुनिया भर में फुटबॉल प्रेमियों पर फुटबॉल का खुमार छाया हुआ है। ऐसे में रिलायंस कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड अपने लोकप्रिय ब्रांड 'ऐलन्स पोटैटो चिप्स' के विशेष लिमिटेड-एडिशन रेंज के साथ इस रोमांच को सीधे स्नैक प्रेमियों तक पहुंचा रहा है।

फुटबॉल की कुछ सबसे प्रतिष्ठित टीमों और देशों से प्रेरित इस नई कलेक्शन में चार अंतरराष्ट्रीय फ्लेवर शामिल हैं, जो स्पेन, अर्जेंटीना, ब्राज़ील और पुर्तगाल की भावना, स्वाद और ऊर्जा को दर्शाते हैं। 10, 20 और 50 की सुविधाजनक पैकिंग में उपलब्ध यह लिमिटेड-एडिशन रेंज भारत भर के उपभोक्ताओं के उत्सव को और अधिक स्वादिष्ट बनाने के उद्देश्य से पेश की गई है। इस लिमिटेड-एडिशन कलेक्शन को उपभोक्ताओं की बदलती पसंद और स्वाद को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। टमाटर आज भी भारत के सबसे पसंदीदा फ्लेवर प्रोफाइल में से एक है, जबकि चीज़-आधारित स्नैक्स की मांग

उपभोक्ताओं के बीच तेजी से बढ़ रही है। इसके साथ ही, तीखे और बोल्ड स्वादों की लोकप्रियता भी लगातार बढ़ रही है, जिससे चिली एंड लाइम और पीरी पीरी साल्सा जैसे फ्लेवर आज के साहसी स्वाद पसंद करने वाले उपभोक्ताओं के लिए बेहद प्रासंगिक बन जाते हैं।

फुटबॉल के सबसे बड़े मंच से प्रेरित आकर्षक पैकेजिंग और अंतरराष्ट्रीय पाक परंपराओं का जश्न मनाने वाले इन फ्लेवर के साथ, ऐलन्स लिमिटेड-एडिशन कलेक्शन उन प्रशंसकों के लिए आदर्श साथी साबित होगा जो हर गोल, हर शानदार बचाव और हर जश्न का आनंद दोस्तों और परिवार के साथ लेना चाहते हैं। यह लिमिटेड-एडिशन रेंज सीमित स्टॉक उपलब्धता तक देशभर के रिलायंस रिटेल स्टोर्स और जियोमार्ट पर उपलब्ध रहेगी।

सीजी पावर ने नासिक में चालू की एक्स्ट्रा हाई-वोल्टेज स्विचगियर विनिर्माण इकाई

मुंबई, एजेंसी। इंजीनियरिंग समूह और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग उद्योग की अग्रणी कंपनी, सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड (सीजी) ने आज महाराष्ट्र के नासिक स्थित पिंपलगांव गरुडेश्वर में अपनी एक्स्ट्रा हाई-वोल्टेज (ईएचवी) स्विचगियर विनिर्माण इकाई, एस3 यूनिट-2 चालू करने की घोषणा की। यह नासिक के अंबड में स्थित एस3 यूनिट-द्वू विनिर्माण संयंत्र से अलग इकाई है, जहां 33केवी से 800केवी के ईएचवी सर्किट ब्रेकर बनाए जाते हैं। इस नए संयंत्र में 33 केवी से 245 केवी की रेंज के ईएचवी सर्किट ब्रेकर बनेंगे, जिससे सीजी की ईएचवी सर्किट ब्रेकर बनाने की क्षमता 80त्न तक बढ़ेगी। 500 केवी और 350 केवी हाई-वोल्टेज परीक्षण प्रयोगशाला समेत उन्नत विनिर्माण और परीक्षण बुनियादी ढांचे से लैस, इस इकाई को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में भरोसेमंद बिजली पारेषण (ट्रांसमिशन) उपकरणों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। इस इकाई से, सीजी की यूटिलिटी, रेलवे, नवीकरणीय ऊर्जा, तेल एवं गैस, और ट्रांसमिशन बुनियादी ढांचा परियोजना जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सेवा प्रदान करने की क्षमता का विस्तार होगा। इससे कंपनी के बढ़ते निर्यात व्यवसाय को भी मदद मिलेगी।

सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड के समूह मुख्य कार्यकारी और प्रबंध निदेशक, अमर कौल ने कहा, एस3 इकाई-2 का चालू होना, हमारी विकास यात्रा की महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इससे ग्रिड विस्तार, नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण और बुनियादी ढांचा विकास से उभरने वाले अवसरों में हमारा विश्वास रेखांकित होता है। गौरतलब है कि भारत और वैश्विक बाज़ारों में हाई-वोल्टेज ट्रांसमिशन उपकरणों की मांग लगातार बढ़ रही है, ऐसे में इस इकाई से हमारी बड़े पैमाने पर विश्व स्तरीय उत्पाद पेश करने की क्षमता बढ़ेगी। यह निवेश नवोन्मेष, गुणवत्ता और परिचालन उत्कृष्टता के ज़रिये ग्राहकों की ऊर्जा से जुड़ी बदलती जरूरतों को पूरा करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी दृढ़ता प्रदान करता है। ज़िम्मेदार विनिर्माण के प्रति सीजी की प्रतिबद्धता के अनुरूप निर्मित इस इकाई में, ऊर्जा-कुशल प्रणाली, वर्षा जल संचयन एवं जल पुनर्चक्रण बुनियादी ढांचा और शून्य तरल निर्वहन (ज़ीरो लिक्विड डिस्चार्ज) की व्यवस्था शामिल है। इन पहलों से संसाधनों की दक्षता बढ़ने के साथ-साथ ऊर्जा की खपत और पर्यावरणीय प्रभाव में कमी आने की उम्मीद है।

जेएसडब्ल्यू वेंचर्स ने लीडरशिप टीम को किया मजबूत

मुंबई, एजेंसी। शुरुआती चरण की कंपनियों में निवेश करने वाली संस्थागत वेंचर कैपिटल फर्म जेएसडब्ल्यू वेंचर्स ने अपने फंड सेकंड के लॉन्च से पहले नेतृत्व टीम को मजबूत करते हुए वरिष्ठ उद्योग विशेषज्ञ विकास चांडक को पार्टनर नियुक्त किया है। विकास के पास कंज्यूमर, फिनटेक और एंटरप्राइज टेक्नोलॉजी क्षेत्रों में दो दशक से अधिक का अनुभव है। उन्होंने कई व्यवसायों को स्थापित करने, उनका विस्तार करने और उनके पुनर्गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आईआईएम बेंगलुरु से एमबीए करने वाले विकास ने क्रेड, एतिहाद और आईसीआईसीआई बैंक जैसी प्रमुख कंपनियों के साथ काम किया है। जेएसडब्ल्यू वेंचर्स से जुड़ने से पहले विकास भारत के कुछ प्रमुख फिनटेक और उपभोक्ता व्यवसायों में रणनीति, उत्पाद विकास और बिजनेस संचालन का नेतृत्व कर चुके हैं। वह पिछले पांच वर्षों से सक्रिय एंजेल निवेशक भी रहे हैं। जेएसडब्ल्यू वेंचर्स में वे फंड की निवेश रणनीति, पूंजी जुटाने, निवेश, पोर्टफोलियो प्रबंधन तथा फिनटेक और एंटरप्राइज टेक्नोलॉजी क्षेत्र की निवेश प्राप्त कंपनियों से निकास (एग्जिट) से जुड़े कार्यों की संयुक्त जिम्मेदारी संभालेंगे। इस अवसर पर जेएसडब्ल्यू वेंचर्स के मैनेजिंग पार्टनर सचिन टैगरा ने कहा, विकास के पास व्यावसायिक समझ और टेक्नोलॉजी आधारित व्यवसायों को सफलतापूर्वक संचालित व विस्तार देने का बेहतर अनुभव है। यह हमारी पोर्टफोलियो प्रबंधन की सक्रिय कार्यशैली के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उनका अनुभव निवेश के मूल्यांकन को और बेहतर बनाएगा तथा हमारी पोर्टफोलियो कंपनियों को महत्वपूर्ण लाभ पहुंचाएगा। एक मजबूत पार्टनर के रूप में अपनी पहचान बनाई है। स्टार्टअप्स, बड़े उद्योगों और एक एंजेल इन्वेस्टर के रूप में दो दशकों से अधिक के काम के दौरान, मैंने खुद देखा है कि महत्वपूर्ण मोड़ों पर लिए गए निर्णय समय और बदलते दौर के साथ कितना बड़ा असर डालते हैं।

टाइटन वॉचेज़ ने ज़ीरो आवर 500एम प्रोफेशनल डाइवर्स ऑटोमेटिक वॉच के साथ गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराया

मुंबई, एजेंसी। समुद्र की सतह से बहुत नीचे, एक ऐसी दुनिया में जहाँ ज़बरदस्त दबाव, पूरी सटीकता और बेहद मुश्किल हालात होते हैं, भारत की सबसे प्रतिष्ठित घड़ी निर्माता कंपनी टाइटन वॉचेज़ ने शानदार उपलब्धि हासिल की है। अपनी तरह की पहली इस उपलब्धि में, ब्रांड ने पानी के भीतर सबसे ज़्यादा गहराई में प्रोडक्ट फोटोशूट करने के लिए 'गिनीज़ बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में नाम दर्ज कराया है। 52.1 मीटर की गहराई पर किए गए इस शूट में टाइटन ज़ीरो आवर 500 एम प्रोफेशनल डाइवर्स ऑटोमेटिक वॉचेज़ के 1000 घड़ियों के लिमिटेड एडिशन में से एक घड़ी को फिल्माया गया है। इस उपलब्धि ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि यह घड़ी बेहद मुश्किल हालात में भी काम करने के लिए पूरी तरह से भरोसेमंद और दमदार है। थाईलैंड के फुकेत स्थित राचा नोई द्वीप पर खुले समुद्र के विशाल विस्तार के बीच, जहाँ हर गोता सहनशक्ति और इंजीनियरिंग की सीमाओं को चुनौती देता है, पाँच सर्टिफाईड टेकनिकल गोताखोरों की एक टीम ने सटीकता और प्रदर्शन की सीमाओं को प्रदर्शित किया। सात मिनट के भीतर 50 मीटर की गहराई तक पहुँचते हुए और अंततः 52.1 मीटर की अधिकतम गहराई हासिल करते हुए, इन गोताखोरों ने खुले समुद्र की वास्तविक परिस्थितियों में, 20 मिनट की सीमित समय-सीमा के भीतर, कैमरों के एक पूरे ज़खीरे के साथ एक अत्यंत विशिष्ट पानी के नीचे का फ़ोटोशूट सफलतापूर्वक पूरा किया। इस उपलब्धि पर बात करते हुए, टाइटन कंपनी लिमिटेड में वॉचेज़ डिवीज़न के सीईओ कुरुविला मार्कोस ने कहा, ÷ज़ीरो आवर को इस अवधारणा पर बनाया गया था कि भारतीय घड़ी बनाने की कला दुनिया के सबसे मुश्किल मंचों पर भी मुकाबला कर सकती है। आईएसओ 6425 कम्प्लायन्स और पीएडीआई मान्यता से लेकर गिनीज़ बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स तक हमने जो भी मानक हासिल किए हैं - वे सभी इंजीनियरिंग के पक्के इरादे, नए आइडिया और कारीगरी के संयोजन पर रोशनी डालते हैं। वास्तव में हमने एक्शन के ज़रिए अपनी क्षमता को साबित किया है। आने वाले समय में भी हम अपनी क्षमताओं को बढ़ाते हुए इस गति को बनाए रखेंगे।

एचडीएफसी बैंक का परिवर्तन कार्यक्रम पराली जलाने से बचाने में बना मददगार

मुंबई, एजेंसी। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर, एचडीएफसी बैंक ने अपने सीएसआर कार्यक्रम परिवर्तन के ज़रिए, सीआईआई फाउंडेशन के साथ मिलकर, अपनी फसल अवशेष प्रबंधन (सीआरएम) पहल में एक बड़ी उपलब्धि की घोषणा की। 2025 के सीज़न में, पंजाब और हरियाणा के कुल 3,78,425 एकड़ खेतों में से 88 फ़ीसदी खेतों को पराली जलाने से बचाया गया। पंजाब के लुधियाना और संगरूर ज़िलों, और हरियाणा के फतेहाबाद ज़िले के 380 से ज़्यादा गांवों के 86,000 किसानों तक पहुँचने वाला यह कार्यक्रम, उत्तर भारत में खेती से होने वाले वायु प्रदूषण से निपटने के लिए निजी क्षेत्र की एक व्यापक और असरदार कोशिश है। एचडीएफसी बैंक की सीएसआर प्रमुख नुसरत पठान ने इस उपलब्धि के बारे में बात करते हुए कहा, पराली जलाना सिर्फ़ एक कृषि आदत नहीं है, यह एक व्यवस्थागत चुनौती है जिसकी जड़ें अर्थव्यवस्था, पहुंच और जागरूकता में हैं। एचडीएफसी बैंक परिवर्तन की सीआईईई फाउंडेशन के साथ साझेदारी ने इन तीनों पहलुओं को एक साथ संबोधित किया है। सहकारी टूल बैंकों के माध्यम से किसानों तक मशीनरी की पहुंच बनाकर, लगातार

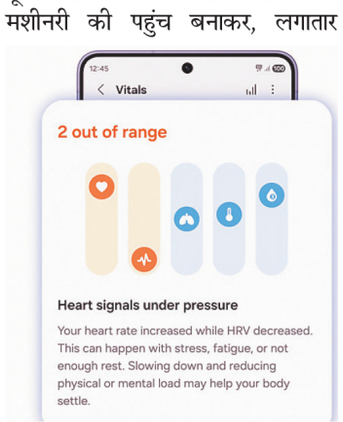

सामुदायिक जुड़ाव के ज़रिए व्यवहार में बदलाव लाकर, और बायोगैस व कम्पोस्टिंग जैसे एक्स-सीटू (खेत के बाहर) समाधान पेश करके, हमने एक ऐसा मॉडल तैयार किया है जो किसानों के लिए वास्तविक बचत के साथ-साथ पर्यावरणीय परिणाम भी देता है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, हम इस प्रभाव को और आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं। धान की कटाई के बाद पराली जलाना, उस गंभीर वायु प्रदूषण के मुख्य कारणों में से एक है जो हर सर्दियों में पूरे उत्तर भारत को अपनी चपेट में ले लेता है। इससे आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है और दिल व फेफड़ों की पुरानी बीमारियाँ और भी बढ़ जाती हैं। लगभग 1/3 एकड़ खेत में पैदा होने वाली एक टन धान की पराली को जलाने से वातावरण में तीन किलोग्राम पार्टिकुलेट मैटर (बारीक कण) घुल जाते हैं, साथ ही ज़मीन से ज़रूरी पोषक तत्व भी खत्म हो जाते हैं। 2025 में पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में 53 फीसदी की कमी आने के बावजूद, छोटे और सीमांत किसानों को आज भी मशीनें हासिल करने और दो फसलों के बीच के कम समय में फसल के अवशेषों का प्रबंधन करने में कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।अक्टूबर 2023 में लुधियाना में शुरू हुआ और 2024 में संगरूर और फतेहाबाद तक फैला, यह तीन साल का कार्यक्रम सीआईआई फाउंडेशन द्वारा 380 गांवों में लागू किया जा रहा है।

सैमसंग ने एआई पावर वाले रोज़ाना के हेल्थ कंपैनियन के लिए नए गैलेक्सी वॉच फीचर्स लॉन्च किए

सेओल,एजेंसी। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड ने आज सैमसंग हेल्थ ऐप के लिए एक बड़े अपडेट की घोषणा की है, जो आने वाली गैलेक्सी वॉच को एक सक्रिय और समझदार हेल्थ पार्टनर में बदल देगा। 8 जून से सैमसंग इस ऐप अपडेट को रोल आउट करना शुरू कर देगा ताकि आगामी गैलेक्सी वॉच में मिलने वाले मुख्य हेल्थ फीचर्स की झलक दिखाई जा सके। यह अपडेट रात की नींद से लेकर दिनभर की गतिविधियों तक के जटिल बायोमेट्रिक डेटा को सरल और काम आने वाले सुझावों में बदलकर रोज़ाना के स्वास्थ्य प्रबंधन को बहुत आसान बना देता है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के मोबाइल एक्सपीरियंस बिजनेस में डिजिटल हेल्थ टीम के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और हेड, होन पाक ने कहा, सैमसंग हेल्थ ऐप अब गैलेक्सी वॉच द्वारा मापे गए हेल्थ डेटा को एआई आधारित जानकारियों से जोड़ने के लिए विकसित हो रहा है। इससे यूज़र्स अपनी शारीरिक और मानसिक स्थिति को अधिक आसानी से और बेहतर तरीके से समझ सकेंगे। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कनेक्टेड गैलेक्सी इकोसिस्टम और डिजिटल हेल्थ इनोवेशन्स के आधार पर सक्रिय और व्यक्तिगत स्वास्थ्य प्रबंधन के अनुभवों का विस्तार करना जारी रखेगा।

कभी एक कप चाय खरीदने के नहीं होते थे पैसे, आज करोड़ों का कारोबार, छोटा सा आइडिया कर गया काम

नई दिल्ली: शशि भूषण रांची के रहने वाले हैं। उन्होंने हिम्मत और उद्यमशीलता की मिसाल पेश की है। कभी वह एक कप चाय खरीदने से पहले भी 100 बार सोचते थे। आज वह करोड़ों की एक्सपोर्ट कंपनी के मालिक हैं। इसका नाम येलॉन एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड है। इस कंपनी के जरिये शशि ने ग्लोबल एक्सपोर्ट मार्केट में अपनी खास जगह बनाई है। यह कंपनी मसालों और हाइड्रेटेड (सूखे) सब्जियों के एक्सपोर्ट में माहिर है। इसकी नींव बहुत छोटे से आइडिया से पड़ी थी। आइए, यहां शशि भूषण की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

शशि भूषण ने रांची से होटल मैनेजमेंट में ग्रेजुएशन किया है। उनके लिए थाईलैंड की एक कोर्स-विजिट के दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजारों से शुरुआती परिचय बहुत अहम साबित हुआ। इसके बाद थाईलैंड और मलेशिया जैसे देशों की यात्राओं ने उन्हें बाजार में मौजूद एक कमी को पहचानने में मदद की।

शशि ने देखा कि मसाले बहुत ऊंची कीमतों पर बेचे जा रहे थे। अक्सर उनमें कोई खास वैल्यू एडिशन नहीं होता था। न ही उन्हें सही तरीकों से खरीदा जाता था। मांग और अवसर दोनों को पहचानकर उन्होंने जरूरी लाइसेंस लेने और निर्यात के कारोबार में उतरने का फैसला किया। यह छोटा सा आइडिया हिट हो गया।

आज शशि भूषण की कंपनी 25 से 30 तरह की हाइड्रेटेड सब्जियों की पेशकश करती है। ये ऐसे प्रोडक्ट हैं जिन्हें पकाने के लिए बहुत कम तैयारी की जरूरत होती है। विदेशों की तेज-रफ्तार शहरी जीवनशैली में खास तौर पर इन्हें पसंद किया जाता है। भूषण को लगा कि लोगों के पास हमेशा सब्जियां खरीदने, धोने, काटने और पकाने का समय नहीं होता। हाइड्रेटेड सब्जियों के विकल्प के साथ बस पानी मिलाना होता है और वे तैयार हो जाती हैं।

उनके प्रोडक्ट रेंज में अदरक और लहसुन के पाउडर जैसी चीजें भी शामिल हैं। इनसे सिर्फ पांच मिनट में ही खाना तैयार किया जा सकता है। इसके अलावा इनमें सूखे टमाटर, पत्तागोभी, चुकंदर और गाजर से लेकर कई तरह की चटनियाँ और पिसे हुए मसाले भी हैं। इन्हें अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भेजा जाता है।

स्थानीय किसानों से खरीदारी

शशि भूषण ये उत्पाद स्थानीय किसानों से खरीदते हैं। इससे एक ऐसी सप्लाई चेन बनती है जो न केवल ग्रामीण उत्पादकों को सहारा देती है। इसके बजाय विदेशों में बढ़ती मांग को भी पूरा करती है। विदेशों में ऐसे उत्पादों की बहुत मांग है। इन उत्पादों की लोकप्रियता का मुख्य कारण इस्तेमाल में आसानी है। हालांकि, भूषण का यहां तक का सफर आसान नहीं रहा है। एक साधारण पृष्ठभूमि से आने के कारण उन्हें अपनी पढ़ाई पूरी करने में काफी संघर्ष करना पड़ा।

ब्रेकअप के बाद सुसाइड के ख्याल आए

प्रोड्यूसर ने 16 लाख का जुर्माना लगाया रुबीना दिलैक बोलीं- मजबूरी में घर-गाड़ी बेची

पहले शॉट में 17 रीटेक, डायरेक्टर की फटकार और शिमला लौट जाने के ताने से रुबीना दिलैक ने करियर की शुरुआत में अपमान और संघर्ष झेले। बाद में एक प्रोड्यूसर की कथित धोखाधड़ी से उन्हें लाखों का नुकसान हुआ और घर-कार बेचनी पड़ी। ब्रेकअप हुआ तो डिप्रेशन में चली गईं। सुसाइड तक के ख्याल आए। मुश्किलों का सामना करते हुए रुबीना ने खुद को संभाला। आज वह टीवी की लोकप्रिय एक्ट्रेस में शुमार हैं और बिग बॉस 14 जीतने के बाद खतरों के खिलाड़ी 15 तक पहुंची हैं। रुबीना दिलैक ने शुरुआती पढ़ाई शिमला पब्लिक स्कूल और सेंट बेड्स कॉलेज से की। उनके पिता लेखक हैं और हिंदी में कई किताबें लिख चुके हैं। स्कूल और कॉलेज के दिनों में रुबीना पढ़ाई के साथ वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में सक्रिय रहीं। वह राष्ट्रीय स्तर की डिबेट चैंपियन रह चुकी हैं। उन्होंने अंग्रेजी साहित्य में ग्रेजुएशन किया। इसमें राजनीति विज्ञान भी उनका विषय था। एक्टिंग में आने से पहले उन्होंने कई ब्यूटी कॉन्टैस्ट में हिस्सा लिया। 2006 में उन्हें 'मिस शिमला' और 2008 में 'मिस नॉर्थ इंडिया' का खिताब मिला। जब रुबीना ने एक्टिंग में जाने का फैसला किया, तो उनके पिता ने काफी समय तक उनसे बात करना बंद कर दिया था। परिवार को एंटरटेनमेंट वर्ल्ड का माहौल सुरक्षित नहीं लगता था। 'मिस शिमला' और 'मिस नॉर्थ इंडिया' का खिताब जीतने के बाद पिता का नजरिया बदला और उन्होंने रुबीना को अपनी राह चुनने की इजाजत दी। 'छोटी बहू' में राधिका शास्त्री के किरदार ने रुबीना को घर-घर में पहचान दिलाई। बाद में उन्होंने इसके सीक्वल 'छोटी बहू 2' में भी यही भूमिका निभाई। करियर के शुरुआती दिनों में रुबीना के लुक को लेकर भी उनकी बेइज्जती की जाती थी। लुक टेस्ट के दौरान उन्हें कहा जाता था कि नेगेटिव भूमिका करें, क्योंकि लीड रोल उन पर सूट नहीं करेगा।

बचपन की यादों में खोईं

तृप्ति डिमरी

कहा-'बहुत मार खाई है'

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी की फिल्म 'मां बहन' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है, जिसे लेकर वह उत्साहित हैं। फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त तृप्ति ने अपने बचपन की यादों को ताजा करते हुए मजेदार किस्से सुनाए। एक इंटरव्यू के दौरान तृप्ति ने कहा, 'मुझे लगता है कि हर किसी को अपने माता-पिता से कभी न कभी तो मार पड़ी होगी। बड़े होते समय मुझे तो काफी मार पड़ी थी।' उन्होंने आगे मजाकिया अंदाज में जोड़ा, 'जिस दिन मुझे मार नहीं पड़ती थी, उस दिन भी मुझे मार पड़ जाती थी... मैं घर जाती थी और कोई कहता था, 'क्या हुआ? तुम आज बहुत खुश लग रही हो। 'तृप्ति ने बताया कि बचपन में सजा मिलना उनके लिए आम बात थी, लेकिन आज वे उन दिनों को प्यार से याद करती हैं। बातचीत के दौरान तृप्ति डिमरी ने कहा कि फिल्म में मौजूद तीनों मुख्य किरदार अपने-अपने तरीके से मजबूत हैं और सभी के हिस्से में बराबर की मुश्किलें और हंगामे आते हैं। उनके अनुसार, फिल्म का परिवार काफी बिखरा हुआ और अव्यवस्थित है, लेकिन यही इसकी सबसे बड़ी खासियत भी है। कहानी में तीनों किरदार एक ऐसी स्थिति में फंस जाते हैं, जहां उन्हें हालात संभालने के लिए लगातार नए तरीके अपनाने पड़ते हैं। सुरेश त्रिवेणी के निर्देशन में बनी कॉमेडी ड्रामा 'मां बहन' नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। फिल्म में तृप्ति के साथ माधुरी दीक्षित नेने, धारणा दुर्गा, रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। कहानी रेखा नाम की एक महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी रसोई में अचानक एक लाश मिल जाती है। इसके बाद उसकी दो बेटियों जया और सुषमा के साथ मिलकर उसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। फिल्म में कॉमेडी, सस्पेंस और परिवार की मजबूती को खूबसूरती से दिखाया गया है।

राम चरण स्टारर 'पेड्डी' का बॉक्स ऑफिस पर दिखा तूफान

ओपनिंग डे पर की रू135.36 करोड़ की रिकॉर्ड कमाई!

'पेड्डी' इस साल की सबसे मच-अवेटीड पैन-इंडिया रिलीज में से एक थी, जिसमें राम चरण लीड रोल में हैं और जाह्नवी कपूर और जगपति बाबू ने भी महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई हैं। अपने सुपरहिट गानों, दमदार प्रमोशनल कंटेंट और इम्पैक्टफुल (असरदार) ट्रेलर के जरिए सोशल मीडिया पर भारी बज बनाने के बाद, यह फिल्म आखिरकार 4 जून को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। रिलीज होते ही 'पेड्डी' ने थिएटर्स में तूफान ला दिया है। हिम्मत, जज्बे और दिल छू लेने वाली कहानी को देखने के लिए थिएटर्स में भारी भीड़ उमड़ रही है, फैंस जश्न मना रहे हैं और जनता की तरफ से फिल्म को शानदार रिव्यूज मिल रहे हैं। दर्शकों के इस जबरदस्त रिस्पॉन्स का असर बॉक्स ऑफिस के कलेक्शन पर भी साफ देखने को मिल रहा है। 'पेड्डी' ने दुनिया भर में अपने पहले ही दिन रू135.36 करोड़ से ज्यादा का ग्रॉस कलेक्शन करके एक धमाकेदार शुरुआत की है, जिससे यह इस साल की सबसे बड़ी ओपनिंग करने वाली फिल्मों में से एक बन गई है। सकारात्मक वर्ड ऑफ माउथ (जनता की तारीफ) और शोज़ में दर्शकों की लगातार बढ़ती भीड़ के दम पर 'पेड्डी' के हिंदी वर्जन ने भी पहले दिन जबरदस्त ग्रोथ दिखाई है। फिल्म को मिल रही तारीफों और सामने आ रहे वीकेंड को देखते हुए यह उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में यह कमाई के नए रिकॉर्ड बनाएगी। यह कामयाबी राम चरण के लिए बेहद खास है, क्योंकि 'RRR' के बाद यह उनकी दूसरी रू100 करोड़ से ज्यादा की ओपनिंग है। इसी के साथ वे एक से ज्यादा बार रू100 करोड़ की ओपनिंग डे देने वाले दुनिया के सिर्फ पांचवें एक्टर बन गए हैं। 23 मई को भोपाल में हुआ 'पेड्डी' का ग्रैंड म्यूज़िकल लॉन्च इवेंट इस साल के सबसे बड़े और यादगार फिल्मी इवेंट्स में से एक बनकर उभरा है। इस शानदार शाम में फिल्म की पूरी स्टार कास्ट और क्रू एक साथ नजर आए, जिनमें राम चरण, जाह्नवी कपूर, रवि किशन, शिवा राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा, जगपति बाबू, डायरेक्टर बुच्ची बाबू सना और ऑस्कर विनर कंपोजर ए. आर. रहमान शामिल थे। इन सबने मिलकर फैंस के लिए इस शाम को कभी न भूलने वाला एक बेहतरीन अनुभव बना दिया। फिल्म में राम चरण ने एक 'क्रॉसओवर एथलीट' का किरदार निभाया है। यह कैरेक्टर उन महान खेल दिग्गजों के सफर से प्रेरित है, जिन्होंने अपनी असली मंजिल पाने से पहले अलग-अलग खेलों में अपना दमखम दिखाया था। ठीक वैसे ही जैसे एम एस धोनी क्रिकेट के आइकॉन बनने से पहले फुटबॉल खेला करते थे, और सचिन तेंदुलकर ने क्रिकेट का इतिहास रचने से पहले शुरुआत में टेनिस में हाथ आजमाया था। 'पेड्डी' भी इसी तरह हिम्मत, बदलाव और बड़े सपनों को सच करने के जज्बे का जश्न मनाती है। दूसरी तरफ, ए. आर. रहमान का सुपरहिट साउंडट्रैक फिल्म की कामयाबी की रफ्तार को और तेज कर रहा है। फिल्म का गाना 'चिकिरी चिकिरी' यूट्यूब पर 200 मिलियन (20 करोड़) से ज्यादा व्यूज पार कर चुका है, 'रई रई रा रा' ने 74 मिलियन का आंकड़ा पार कर लिया है, और 'हेल्लाल्लाल्लो' को 34 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। गानों की यह कामयाबी साबित करती है कि 'पेड्डी' इस साल के सबसे बड़े सिनेमैटिक धमाकों में से एक है। बुची बाबू सना द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म में राम चरण मुख्य भूमिका में हैं, और उनके साथ शिवा राजकुमार, जाह्नवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू जैसे बेहतरीन कलाकारों की फौज है, जो फिल्म के स्केल और इसके इम्पैक्ट (असर) को और ज्यादा बढ़ा देती है। इस फिल्म का निर्माण वेंकट सतीश किलारू ने 'वृद्धि सिनेमाज' के बैनर तले किया है, जिसमें 'माइथ्री मूवी मेकर्स', 'सुकुमार राइटिंग्स' और IVY एंटरटेनमेंट' ने सहयोग किया है, जबकि इसके को-प्रोड्यूसर ईशान सक्सेना हैं। साल 2020 में शुरुआत करने वाली 'IVY एंटरटेनमेंट' ने आज भारत में सबसे लोकप्रिय प्रोडक्शन हाउसेस और फिल्म राइट्स खरीदने वाली कंपनियों में अपनी एक मजबूत जगह बना ली है। यह कंपनी प्रीमियम आईपी और फिल्म राइट्स की भारत की सबसे बड़ी फिल्मोग्राफी तैयार करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रही है। साथ ही, यह रचनात्मक प्रोडक्शन हाउसेस को लगातार ऐसी बेहतरीन फिल्में बनाने के लिए प्रेरित और सशक्त कर रही है, जो दुनिया भर के दर्शकों के दिलों को छूती हैं। इस फिल्म में पर्दे के पीछे काम करने वाली एक बेहद पावरफुल और उम्दा टेक्निकल टीम जुड़ी हुई है। फिल्म में संगीत ऑस्कर विनर ए. आर. रहमान का है, सिनेमैटोग्राफी आर. रतनावेली ने संभाली है, प्रोडक्शन डिजाइन अविनाश कोल्ला का है, एडिटिंग नवीन नूली ने की है और इसके एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर वी. वाई. प्रवीण कुमार हैं। यह इतनी बड़ी और मजबूत टीम फिल्म के सिनेमाई स्तर और दर्शकों के बीच इसके एक्साइटमेंट को और ज्यादा बढ़ा देती है।'धुरंधर', 'धुरंधर द रिवेंज' और 'राजा शिवाजी' जैसी बड़ी फिल्मों की शानदार सफलता के बाद, अब 'जियो स्टूडियोज' फिल्म 'पेड्डी' को नॉर्थ इंडिया (उत्तर भारत) में रिलीज करने जा रहा है। यह फिल्म 4 जून 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

(साभार एजेंसी)

मैं चुप नहीं बैठूंगी और न्याय के लिए लड़ती रहूंगी

सेलिना जेटली

अभिनेत्री सेलिना जेटली एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। पति पीटर हाग से तलाक और बच्चों की कस्टडी को लेकर चल रहे विवाद के बीच अब उन्होंने अपने पति और ससुर की ओर से भेजे गए कानूनी नोटिसों पर खुलकर प्रतिक्रिया दी है। सेलिना ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा बयान जारी करते हुए कहा कि वह किसी भी तरह की कानूनी धमकी या दबाव के आगे झुकने वाली नहीं हैं। वह अपने बच्चों, अपने अधिकारों और न्याय के लिए यह लड़ाई जारी रखेंगी। सेलिना जेटली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट किया। उन्होंने उन कानूनी नोटिसों का जवाब दिया, जो हाल ही में उनके पति पीटर हाग और उनके ससुर वोल्फगैंग हाग की ओर से भेजे गए हैं। नोटिस में अभिनेत्री पर मानहानि करने का आरोप लगाया गया है और कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है, हालांकि सेलिना ने बताया कि उन्होंने अपने लीगल रिप्रजेंटेटिव के जरिए इन नोटिसों का जवाब दे दिया है।

एआई इंसान की मदद कर सकता है, उसकी जगह नहीं ले सकता

सुभाष घई

बॉलीवुड के सीनियर फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने एक बार फिर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर अपने विचार शेयर किए। इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने कहा कि आने वाले समय में एआई लोगों के कई काम आसान कर देगा, लेकिन असली सफलता उन्हीं लोगों को मिलेगी, जो अपनी क्रिएटिविटी और इमोशनल इंटेलिजेंस को जीवित रखेंगे। सुभाष घई ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''एआई भविष्य में लोगों के अधिकतर मानसिक और बौद्धिक कार्यों को संभाल सकता है, लेकिन वह इंसान के भीतर मौजूद मानवीय गुणों की जगह नहीं ले सकता। भविष्य उन्हीं लोगों का होगा जो अपने भीतर की क्रिएटिविटी को लगातार मजबूत करते रहेंगे। म्यूजिक, पोएट्री, पेंटिंग, कम्युनिकेशन, कोलेबोरेशन और क्रिटिकल थिंकिंग जैसे गुण इंसानों को मशीनों से अलग बनाते हैं।' सुभाष घई ने आगे कहा, एआई से केवल जानकारी हासिल करना ही काफी नहीं है, बल्कि उस जानकारी को भावनाओं और रचनात्मकता के साथ जोड़ना भी जरूरी है।

ऋचा और मैं अच्छे किरदारों के लिए जीते हैं इमेज से ज्यादा कहानी मायने रखती है

अली फजल

अभिनेता अली फजल ने अपनी पत्नी ऋचा चड्ढा के साथ अपनी क्रिएटिव पार्टनरशिप पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि दोनों कभी भी किसी खास इमेज में फिट होने की कोशिश नहीं करते। उनका फोकस हमेशा अच्छे और चुनौतीपूर्ण किरदारों पर रहता है। अली फजल और ऋचा चड्ढा दोनों ही अपनी अलग-अलग फिल्मों में चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं। अली फजल ने बताया, 'ऋचा और मैं हमेशा से ऐसे किरदारों की तरफ आकर्षित होते हैं जो हमें चुनौती दे और दर्शकों के दिल में जगह बना सकें, उन्हें पसंद आए। हमारे लिए ग्लैमरस इमेज बनाए रखना कभी प्राथमिकता नहीं रहा। 'उन्होंने इसे अपनी खुशकिस्मती बताया कि उन्हें ऐसे रोल मिले जो स्क्रीन से बाहर निकलकर पॉप कल्चर का हिस्सा बन गए। अली फजल के अनुसार, एक अभिनेता के लिए यह सबसे खूबसूरत एहसास होता है कि दर्शक उनकी बनाई हुई चीज से इतना जुड़ जाते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि ऋचा की 'फुकरे' वाली भोली पंजाबन और उनकी 'मिर्जापुर' वाली गुड्डू पंडित की भूमिका आज भी लोग याद करते हैं। ये किरदार इतने लोकप्रिय हुए कि लोग उनके डायलॉग दोहराते हैं और बार-बार फिल्म देखते हैं। अली फजल ने बताया कि किरदारों के चुनाव को लेकर उनमें अच्छी समझ है। दोनों ही इस बात का सम्मान करते हैं कि एक्टिंग का पेशा अनिश्चितताओं से भरा है। कभी रिस्क लेना पड़ता है, तो कभी सब्र रखना पड़ता है। लेकिन सबसे जरूरी बात है कहानी कहने में ईमानदारी। उन्होंने बताया, 'हमारी कोशिश हमेशा ऐसी कहानियों और किरदारों का हिस्सा बनने की रहती है जो लोगों के यादों में लंबे समय तक रहें।

पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया से जीती लगातार तीसरी वनडे सीरीज

कप्तानी में शाहीद अफरीदी का भी 'खुला खाता'

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने कप्तान शाहीन अफरीदी की घातक गेंदबाजी साथ ही बाबर आजम की अच्छी बल्लेबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया को 3 मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी यानी तीसरे मैच में 4 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही पाकिस्तान ने 3 मैचों की वनडे सीरीज में 2-1 से जीत दर्ज कर ली। शाहीन अफरीदी की कप्तानी में पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को पहली बार वनडे सीरीज में हराने में सफलता हासिल की। यही नहीं शाहीन अफरीदी का भी वनडे सीरीज में बतौर कप्तान जीत का खाता भी खुल गया।

पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को इस वनडे सीरीज में 2-1 से हराया और कंगारू टीम के खिलाफ जीत की हैट्रिक भी लगाई। दरअसल इस वनडे सीरीज से पहले पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को इससे पहले खेले गए दो वनडे सीरीज में भी हराया था और इस टीम के खिलाफ लगातार तीन वनडे सीरीज में जीत हासिल करने में सफलता हासिल की।

शाहीन की कप्तानी में पाकिस्तान 2-1 से जीता

तीसरे वनडे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था और फिर 42 ओवर में 157 रन पर आउट हो गई।

पाकिस्तान की तरफ से कप्तान शाहीन अफरीदी ने घातक गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लिए थे जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए कप्तान जोश इंग्लिस ने 65 रन की पारी खेली थी। वहीं पाकिस्तान को जीत के लिए 158 रन का टारगेट मिला था और इस टीम ने 41.5 ओवर में 6 विकेट पर 161 रन बनाते हुए मैच जीत लिया। पाकिस्तान के लिए बाबर आजम ने सबसे बड़ी 40 रन की पारी खेली।

पाकिस्तान ने आस्ट्रेलिया को लगातार सीरीज में हराया

ऑस्ट्रेलिया की टीम साल 2026 में पाकिस्तान दौरे पर आई और शाहीन अफरीदी की कप्तानी में पाकिस्तान को 3 मैचों की सीरीज में 2-1 से जीत मिली। इससे पहले साल 2021-22 में ऑस्ट्रेलिया की टीम पाकिस्तान दौरे पर आई थी और बाबर आजम की कप्तानी में पाकिस्तान ने 3 मैचों की वनडे सीरीज में 2-1 से जीत हासिल की थी। इसके बाद पाकिस्तान की टीम साल 2024-25 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई थी और वहां मोहम्मद रिजवान की कप्तानी में 3 मैचों की वनडे सीरीज को 2-1 से जीता था। यानी पाकिस्तान ने लगातार तीन वनडे सीरीज में कंगारू टीम को लगातार हराया।

विनेश ने दिया कारण बताओ नोटिस का जवाब

WFI के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा- नियमों के अनुसार लिया जाएगा फैसला

नई दिल्ली। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (WFI) ने गुरुवार को कहा कि उसे विनेश फोगाट के उस शो कॉज नोटिस का जवाब मिल गया है जो 9 मई को जारी किया गया था। रेसलिंग फेडरेशन ने ये बयान तब जारी किया जब सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय कुश्ती महासंघ की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी जिसके तहत वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट विनेश को सिलेक्शन ट्रायल में हिस्सा लेने की इजाजत दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने बाद की घटनाओं को देखते हुए इस याचिका को बेअसर करार दिया।

विनेश ने दिया शो कॉज नोटिस का जवाब- मीडिया सूत्रों के मुताबिक कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने कहा कि कुश्ती महासंघ को रेस्पॉन्डेंट (विनेश फोगाट) का शो कॉज नोटिस का जवाब मिल गया है जिस पर महासंघ के नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार फैसला लिया जाएगा।

हिप इंजरी की वजह से मैटेओ बेरेटिनी फ्रेंच ओपन 2026 से बाहर, बोले-

यह जिंदगी का आखिरी टूर्नामेंट नहीं

पेरिस (एजेंसी)। फ्रेंच ओपन 2026 में इटली के टेनिस खिलाड़ी मैटेओ बेरेटिनी का सफर चोट के कारण खत्म हो गया। क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दौरान हिप इंजरी (कूल्हे की चोट) की वजह से उन्हें मुकाबले को बीच में ही छोड़ना पड़ा, जिसके चलते मैटेओ अर्नाल्डी सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहे। अर्नाल्डी क्वार्टर फाइनल मुकाबले में बेरेटिनी के खिलाफ 5-7, 2-5 से पीछे चल रहे थे। हालांकि लगातार दर्द बढ़ने की वजह से बेरेटिनी को मैच बीच में ही छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। मैच में पहले सेट के दौरान बेरेटिनी ने लगभग 76 मिनट तक संघर्ष किया, लेकिन दूसरे सेट में उनकी चोट और गंभीर हो गई।

उन्होंने मेडिकल टाइमआउट भी लिया और कुछ देर के लिए कोर्ट से बाहर गए। इसके बाद उन्होंने थोड़ी देर तक खेलने की कोशिश की, लेकिन दर्द ज्यादा होने की वजह से उन्हें मैच छोड़ना पड़ा। इस जीत के साथ 104वीं रैंक वाले मैटेओ अर्नाल्डी ने एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। वह आधुनिक युग में महज दूसरे ऐसे खिलाड़ी बने हैं, जिन्होंने क्वार्टर फाइनल मैच विपक्षी खिलाड़ी के इंजरी की वजह से रिटायर होने के कारण जीता है। इंजरी के कारण बाहर होने के बाद बेरेटिनी ने कहा, 'मैं आखिरी इंसान हूं जो रिटायर होना चाहता है। मैं इससे बहुत थक गया हूं। मैं बस ऐसा नहीं करना चाहता, लेकिन कभी-कभी आपको ऐसा करना पड़ता है। बहुत से खिलाड़ियों ने पहले ऐसा किया है और यह अब तक का सबसे बुरा एहसास है, लेकिन यह करना सही है, क्योंकि यह मेरी जिंदगी का आखिरी टूर्नामेंट नहीं है और मुझे अपने भविष्य के बारे में सोचना है। मुझे अपनी रिकवरी के बारे में सोचना है।'

उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि यह बहुत बुरा नहीं होगा। मैं जाहिर तौर पर निराश हूं, लेकिन मुझे लगता है कि अगर मैं खेलता रहता, तो मेरा प्रदर्शन और भी बुरा होता और शायद ठीक होने में ज्यादा समय लगता।

दुर्भाग्य से मेरे पास रिटायर होने के अलावा कोई और रास्ता नहीं था।' बेरेटिनी ने उम्मीद जताई कि चोट ज्यादा गंभीर नहीं होगी और जल्द ही उनके स्कैन रिपोर्ट से स्थिति साफ होगी। विश्व के पूर्व नंबर छह खिलाड़ी बेरेटिनी साल 2022 में हुए यूएस ओपन के बाद पहली बार किसी बड़े टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे।

फीफा विश्व कप

जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोजे के नाम है सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 की शुरुआत 11 जून से हो रही है। विश्व कप के इस 23वें संस्करण की मेजबानी अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको कर रहे हैं। इस बार सर्वाधिक 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं और कुल 104 मैच खेले जाएंगे। फुटबॉल का इतिहास बेहतरीन खिलाड़ियों से भरा पड़ा है। कई ऐसे खिलाड़ी रहे हैं जिन्होंने विश्व कप में अपने दमदार प्रदर्शन से न सिर्फ अपनी टीमों को जीत दिलाई है, बल्कि पूरी दुनिया में अपना नाम बनाया है।

फीफा विश्व कप में बतौर खिलाड़ी किसके नाम सर्वाधिक जीत दर्ज हैं।

जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोजे के नाम फीफा विश्व कप में सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड है। क्लोजे ने जर्मनी के लिए 24 विश्व कप मैच खेले हैं जिसमें 17 जीत दर्ज की है। ब्राजील के काफू ने 20 मैचों में 16 जीत दर्ज की है। अर्जेंटीना के लियोनल मेसी ने 26 मैचों में 16 में जीत हासिल की है। काफू और मेसी संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। इसके बाद जर्मनी के वोल्फगैंग ओवरथ, ब्राजील के रोनाल्डो, जर्मनी के फिलिप लाम, बास्टियन श्वाइन्स्टाइगर और लोथार माथौस हैं। ओवरथ ने 19 मैचों में 15 जीत, रोनाल्डो ने 19 मैचों में 15 जीत, लाम ने 20 मैचों में 15 जीत, श्वाइन्स्टाइगर ने 20 मैचों में 15 जीत और माथौस ने 25 मैचों में 15 जीत हासिल की है। ब्राजील के लुसियो ने 17 मैचों में 14 जीत, जर्मनी के फ्रांज बेकेनबाउर ने 18 मैचों में 14 जीत, फ्रांस के ओलिवियर गिरौड ने 18 मैचों में 14 जीत, फ्रांस के एंटोनी ग्रीजमैन ने 19 मैचों में 14 जीत, जर्मनी के पेर मर्टेसैकर ने 19 मैचों में 14 जीत, फ्रांस के ह्यूगो लोरिस ने 20 मैचों में 14 जीत, इटली के पाओलो मालदिनी ने 23 मैच खेलते हुए 14 जीत हासिल की है।

सचिन नंबर 1, सहवाग से आगे यशस्वी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के समाप्त होने के बाद अब भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एक मैच की टेस्ट सीरीज खेलने जा रही है। 6 जून से शुरू होने वाले इस टेस्ट मैच में भारत को जीत का फेवरेट माना जा रहा है। हालांकि अफगानिस्तान की भी कोशिश होगी कि वो भारत को कड़ी टक्कर दे, लेकिन ये टीम किस हद तक इसमें सफल हो पाती है इस पर निगाहें रहने वाली है। अब इस टेस्ट सीरीज से पहले आपको बता दें कि भारत की तरफ से टेस्ट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-10 भारतीय बैटर कौन हैं।

टेस्ट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-10 भारतीय

सचिन तेंदुलकर के नाम है सबसे ज्यादा रन

भारत की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में अगर एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की बात करें तो इसमें पहले स्थान पर सचिन तेंदुलकर हैं जिन्होंने साल 2010 में 1562 रन बनाए थे। वहीं इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर यशस्वी जायसवाल हैं जिन्होंनें साल 2024 में 1478 रन बनाकर वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ा था। सहवाग इस लिस्ट में तीसरे और चौथे नंबर पर मौजूद हैं। सहवाग ने साल 2008 में 1462 रन बनाए थे जबकि साल 2010 में टेस्ट में सहवाग के बल्ले से कुल 1422 रन निकले थे। इस लिस्ट में सुनील गावस्कर 5वें नंबर पर हैं जिन्होंने साल 2002 में 1407 रन बनाए थे जबकि सचिन तेंदुलकर ने साल 2002 में 1392 रन बनाए थे और वो छठे स्थान पर भी हैं। गुंडप्पा विश्वनाथ इस सूची में सातवें नंबर पर हैं जिन्होंने साल 1979 में कुल 1388 रन बनाए थे। राहुल द्रविड़ 8वें स्थान पर हैं जिन्होंने साल 2002 में 1357 रन एक कैलेंडर वर्ष में बनाए थे जबकि विराट कोहली ने साल 2018 में 1322 रन बनाए थे और 9वें स्थान पर मौजूद हैं।

टेस्ट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बैटर

- सचिन तेंदुलकर- 1562 रन, 2010
- वीरेंद्र सहवाग- 1462 रन, 2008
- सुनील गावस्कर- 1407 रन, 1979
- गुंडप्पा विश्वनाथ- 1388 रन, 1979
- विराट कोहली- 1322 रन, 2018
- यशस्वी जायसवाल- 1478 रन, 2024
- वीरेंद्र सहवाग- 1422 रन, 2010
- सचिन तेंदुलकर- 1392 रन, 2002
- राहुल द्रविड़- 1357 रन, 2002
- सुनील गावस्कर- 1310 रन, 1983

चंढीगढ़ में आज एकमात्र टेस्ट में भारत और अफगानिस्तान की भिड़ंत

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच का आगाज शनिवार से होगा। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला मुल्लांपुर के महाराजा यादविंद्र सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इस मुकाबले में दमदार प्रदर्शन करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। वहीं, अफगानिस्तान भी क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में भारत को कड़ी टक्कर देना चाहेगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच अब तक महज एक टेस्ट मैच खेला गया है। यह टेस्ट मैच साल 2018 में बेंगलुरु में खेला गया था। भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए इस टेस्ट को एक पारी और 262 रनों से अपने नाम किया था। हालांकि, पिछले 8 वर्षों में अफगानिस्तान की टीम काफी मजबूत हुई है। एकमात्र टेस्ट मैच के लिए देवदत्त पडिक्कल को भी टीम में शामिल किया गया है। पडिक्कल का प्रदर्शन आईपीएल 2026 और घरेलू क्रिकेट में काफी शानदार रहा। सिर्फ पडिक्कल ही नहीं बल्कि कई युवा खिलाड़ियों को इस सीरीज के लिए मौका दिया गया है। मानव सुथार को पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इसके साथ ही तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को भी टीम में जगह दी गई है।

एकमात्र टेस्ट के लिए दोनों टीम

- **भारतीय टीम का स्क्वॉड:** शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (उप-कप्तान), साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुथार, गुरनूर बराडर, हर्ष दुबे और ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर)।
- **अफगानिस्तान टीम का स्क्वॉड:** हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), अफसर जजई (विकेटकीपर), इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), अब्दुल मलिक, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, रहमानुल्लाह गुरबाज, रहमानुल्लाह जादरान, अजमतुल्लाह उमरजई, शराफुदीन अशरफ, नांग्याल खारोताई, कैस अहमद, बिलाल सामी, जिया शरीफी और सलीम सफी।

साई सुदर्शन वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी, हम उन्हें पर्याप्त मौके देंगे: गौतम गंभीर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने साफ कर दिया है कि भारतीय टीम साई सुदर्शन को अभी पर्याप्त मौके देगी। गंभीर का कहना है कि सुदर्शन एक वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हैं और वह हाल ही में आईपीएल 2026 में 700 से ज्यादा रन बनाकर आ रहे हैं। गंभीर के बयान के बाद यह लगभग तय हो गया है कि अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में नंबर तीन की पोजीशन पर सुदर्शन ही खेलते दिखाई देंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए गंभीर ने कहा, 'मेरा हमेशा से मानना है कि किसी भी खिलाड़ी को अपनी काबिलियत साबित करने के लिए पर्याप्त मौके मिलने चाहिए। साई सुदर्शन खराब फॉर्म में नहीं हैं और वह आईपीएल 2026 में 700 से अधिक रन बनाकर आ रहे हैं। अगर हम किसी खिलाड़ी को 4 या 5 पारियों के आधार पर जज करेंगे, तो हम टीम तैयार नहीं कर पाएंगे।' हेड कोच ने आगे कहा, 'ऐसा नहीं है कि हम अगर एक खिलाड़ी को 5 मुकाबले में आजमाएंगे, तो दूसरे को सिर्फ एक या दो मुकाबलों में मौका देंगे। हालांकि, अभी हम साई सुदर्शन के साथ जाना चाहते हैं और उन्हें पर्याप्त मौके देना चाहते हैं। वह एक वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हैं और मुझे पूरी उम्मीद है कि वह शानदार प्रदर्शन करके दिखाएंगे।'

'दाऊद IPL में फिक्सिंग चाहता था, मेरे बेटे का अपहरण कराया'

ललित मोदी का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी ने अपने इंटरव्यू में कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने इस बात का खुलासा किया है कि दाऊद इब्राहिम की तरफ से उनको धमकियां मिली थीं। वहीं 62 वर्षीय मोदी ने यह भी बताया कि उनके ऊपर तीन जानलेवा हमले के प्रयास भी हुए थे। इतना ही नहीं लंदन में उनके बेटे का अपहरण भी करवाया गया था। एएनआई से बात करते हुए ललित मोदी ने बताया, 'यही सबसे बड़ा कारण है। उसने (दाऊद इब्राहिम ने) मेरे ऊपर तीन बार जानलेवा हमले के प्रयास करवाए थे। दाऊद ने खुद यह कहा था। वह तीन बार चूक गया। कारण यह था कि मैंने उसकी मैच फिक्स करवाने की बात नहीं मानी। अगर आप पहले तीन साल देखें जब तक

मैंने मैनेजमेंट संभाला, तब तक कतई फिक्सिंग नहीं हुई। यही माफिया के द्वारा पसंद नहीं किया गया।'

ललित मोदी ने आगे कहा, 'लेकिन इसका प्रमुख कारण था कि उसने सोचा था कि मैं आईपीएल 2 (2009) से हट जाऊंगा। कई शर्तें लगी थीं कि आईपीएल 2009 नहीं होगा। बॉम्बे पुलिस के पास हर बात की रिकॉर्डिंग है। बॉम्बे पुलिस ने मुझे सिक्योरिटी भी दी थी। मेरे घर के बाहर बॉम्बे में शूटआउट हुआ था। जोहानिसबर्ग और केपटाउन में मुझ पर हमले के प्रयास हुए, लेकिन साउथ अफ्रीका की सरकार ने मुझे बचाया।' मोदी ने आगे बताया, 'मोंटेनेगरो में भी मुझे पर हमले का प्रयास हुआ। मेरे बेटे का लंदन में अपहरण किया गया। मैंने यह कहानी कभी किसी को नहीं बताई।

जेलेंस्की ने पुतिन को लिखा सार्वजनिक पत्र, किसी तटस्थ देश में प्रत्यक्ष बातचीत का आह्वान किया

» कीव, भाषा।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सीधे संबोधित एक सार्वजनिक पत्र में आमने-सामने बातचीत करने का आह्वान किया है। रूस द्वारा 2022 में यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर हमला शुरू करने के बाद से यह पहला ऐसा सार्वजनिक पत्र है जो जेलेंस्की ने सीधे पुतिन को लिखा है। इस पत्र में रूसी नेता के 26 वर्षों के शासन की व्यापक आलोचना की गई है। जेलेंस्की ने पत्र में अमेरिका की बदलती प्राथमिकताओं को स्वीकार करते हुए कहा कि जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन ईरान युद्ध पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा है तो ऐसे समय में इस बात का केवल इंतजार करते रहना उचित नहीं होगा कि अमेरिका यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने पर अपना ध्यान वापस केंद्रित करे।

जेलेंस्की ने लिखा, मैं एक बैठक का प्रस्ताव रख रहा हूं। उन्होंने कहा कि बातचीत की मेजबानी कोई तीसरा तटस्थ देश कर सकता है। उन्होंने मॉस्को और कीव, दोनों को वार्ता स्थल के रूप में खारिज कर दिया और बातचीत की संभावित मेजबानी के लिए स्विट्जरलैंड, तुर्किए या अरब देशों का नाम सुझाया। उन्होंने लिखा, नेता ही अहम मुद्दों का समाधान करते हैं। हमेशा ऐसा ही होता रहा है और आगे भी ऐसा ही होता रहेगा। जेलेंस्की ने लिखा, मैं ऐसी बैठक के लिए स्पष्ट तारीख तय करने का प्रस्ताव रखता हूं। उन्होंने कहा कि यूक्रेन की खुफिया जानकारी से संकेत मिलता है कि रूस युद्ध को 2027 एवं 2028 तक खींचने की योजनाओं पर विचार कर रहा है और वह अपने जमीनी अभियान से जो हासिल नहीं कर पाया, उसे हासिल करने के लिए अब बैलिस्टिक मिसाइल हमलों का अधिक सहारा ले रहा है। जेलेंस्की ने रूस पर बेलारूस को युद्ध में और गहराई तक खींचने की कोशिश करने तथा रूस समर्थित मोल्दोवा के क्षेत्र ट्रांसनिस्ट्रिया के आसपास स्थिति को अस्थिर करने का प्रयास करने का भी आरोप लगाया। यूक्रेनी नेता ने रूस के अंदरूनी क्षेत्रों तक ड्रोन हमलों, आर्थिक दबाव, ईंधन की कमी, बढ़ती कीमतों तथा सैन्य लामबंदी की और अधिक जरूरत का उल्लेख करते हुए दलील दी कि रूस युद्ध की कीमत को लगातार महसूस कर रहा है। जेलेंस्की ने दावा किया कि मई में रूस के 30,000 से अधिक सैनिक मारे गए या गंभीर रूप से घायल हुए। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के पास युद्धक्षेत्र में हुए नुकसान की पुष्टि करने वाला वीडियो है और हताहतों की यह संख्या महीने-दर-महीने बनी हुई है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को भी पीड़ादायक नुकसान उठाना पड़ रहा है। हालांकि उन्होंने साथ ही दावा किया कि हताहतों की संख्या के अनुपात के संदर्भ में यूक्रेन के मुकाबले रूस की स्थिति खराब है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन बातचीत की अवधि के लिए पूर्ण युद्धविराम लागू करने को तैयार है और युद्ध समाप्त करने की दिशा में पहले कदम के रूप में कैदियों की अदला-बदली का प्रस्ताव रखता है। जेलेंस्की ने युद्ध के दौरान यूक्रेन से ले जाए गए आम नागरिकों और बच्चों की वापसी की भी मांग की।

अमेरिकी संसद में यूक्रेन की सहायता और रूस पर नए प्रतिबंध लगाने संबंधी विधेयक पारित

वाशिंगटन, भाषा। अमेरिका की प्रतिनिधि सभा में यूक्रेन की सहायता के प्रावधान वाला और रूसी अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों पर प्रतिबंध लगाने संबंधी एक विधेयक पारित किया गया है। हालांकि रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं ने आपत्ति जताते हुए चेतावनी दी थी कि यह विधेयक समान लेकिन अधिक प्रभावी परिणाम प्राप्त करने के लिए जारी वार्ताओं को कमजोर करेगा। न्यूयॉर्क से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद ग्रेगरी मीक्स द्वारा प्रायोजित इस विधेयक का उद्देश्य यूक्रेन को सुरक्षा और पुनर्निर्माण सहायता के रूप में एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि प्रदान करके अमेरिकी सहायता को मजबूत करना है। इसके अलावा, यह ऋण के माध्यम से यूक्रेन की रक्षा के लिए आठ अरब अमेरिकी डॉलर उपलब्ध कराएगा। विधेयक 195 के मुकाबले 226 मत से पारित हुआ। यह फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध संबंधी दृष्टिकोण के प्रति असंतोष का संकेत है और ट्रंप की विदेश नीति में इस सप्ताह सदन का दूसरा बड़ा मतभेद दर्शाता है। इससे एक दिन पहले सदन ने पहली बार ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई को रोकने के उद्देश्य से युद्ध शक्तियों से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। समर्थकों ने एक संसदीय याचिका पर 218 सांसदों के हस्ताक्षर जुटाकर यूक्रेन विधेयक पर कार्रवाई के पक्ष में दबाव बनाने में कामयाबी हासिल की। यह एक संसदीय प्रक्रिया है जिसके माध्यम से प्रतिनिधि सभा का बहुमत सदन के नेतृत्व को प्रभावी रूप से दरकिनार करते हुए किसी विधेयक को विचारार्थ या मतदान के लिए आगे बढ़ा सकता है। पहले तो यह तरीका शायद ही कभी सफल होता था, लेकिन इस बार सदन के सदस्यों ने याचिका के जरिए जेफरी एपस्टीन से संबंधित सरकारी फाइलों को जारी करने और अफोर्डेबल केयर एक्ट के तहत स्वास्थ्य कवरेज प्राप्त करने वाले कई लोगों को स्वास्थ्य देखभाल सब्सिडी प्रदान करने वाले विधेयकों को पारित कराया है। हालांकि अफोर्डेबल केयर एक्ट सीनेट में पारित नहीं हो पाया। मीक्स ने कहा, हम सभी इस युद्ध को खत्म करना चाहते हैं। सवाल यह है कि कैसे। क्या हम यूक्रेन को छोड़ देंगे और उसे किसी भयानक समझौते के लिए मजबूर करेंगे? व्लादिमीर पुतिन इसी की उम्मीद कर रहे हैं। या क्या यह सदन इस युद्ध की शुरुआत से किए गए अपने वादों को पूरा करेगा? रिपब्लिकन पार्टी के अधिकतर सदस्यों ने इस प्रस्ताव का विरोध किया। सदन की वित्तीय सेवा समिति के अध्यक्ष, फ्रेंच हिल ने कहा कि वह यूक्रेन के पक्के समर्थक हैं।

पूर्व प्रिंस एंड्रयू ने शाही संपदा के तीन कॉटेज किराए पर देकर कमाई की: रिपोर्ट

» लंदन, भाषा।

ब्रिटेन की सार्वजनिक व्यय पर निगरानी रखने वाली संस्था की शुक्रवार को जारी शाही परिवार की संपत्तियों की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व प्रिंस एंड्रयू ने शाही संपदा में तीन कॉटेज किराए पर देकर पैसा कमाया, जहां वह दो दशक तक बिना किराए के रहे थे। इसमें यह भी बताया गया है कि उनकी बेटियां, प्रिंसेस बीट्राइस और प्रिंसेस यूजनी, किराए वाली महल की संपत्ति में रहती हैं, जिसका भुगतान उनके पिता के बड़े भाई महाराजा चार्ल्स तृतीय करते हैं। नेशनल ऑडिट ऑफिस की रिपोर्ट में कहा गया है कि एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर को विंडसर कैसल के पास अपने घर, रॉयल लॉज एस्टेट में कॉटेज को 20 साल से अधिक समय तक किराए पर देने से आय प्राप्त हुई।

साल 2003 में किए गए रॉयल लॉज के एक पट्टे से पता चलता है कि उन्होंने संपत्ति के लिए सिर्फ एक मामूली रकम अदा दी, जिसे पेपरकॉर्न रेंट के नाम से जाना जाता है। इस परिसर में 30 कमरों वाली एक हवेली और आठ कॉटेज शामिल हैं जिनमें से तीन को किसी और को किराए पर देने की अनुमति थी। रिपोर्ट में आय की रिपोर्ट शामिल नहीं की गई थी। संसद की लोक लेखा समिति की पूर्व प्रमुख और हाउस ऑफ लॉर्ड्स में लेबर पार्टी की सदस्य मारग्रेट होज ने इस चूक को चिंताजनक बताया। उन्होंने कहा, यह चौंकाने वाली बात है कि नेशनल ऑडिट ऑफिस यह पता नहीं लगा पाया कि एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर ने अपनी किराए की संपत्ति से कितना पैसा कमाया। माउंटबेटन-विंडसर से उनकी शाही पदवी छीन लिए जाने और उन्हें उनके भाई तथा महाराजा चार्ल्स द्वारा रॉयल लॉज से निकाले जाने के बाद सांसदों के अनुरोध पर यह रिपोर्ट तैयार की गई। माउंटबेटन-विंडसन को यौन अपराधी दिवंगत जेफरी एप्स्टीन के साथ उनकी दोस्ती के बारे में पता चलने के बाद निकाला गया था। माउंटबेटन-विंडसर इस साल की शुरुआत में पूर्वी ब्रिटेन में महाराजा के सैंड्रिंघम एस्टेट में चले गए थे। उनका नाम जनवरी में अमेरिका के न्याय विभाग द्वारा जारी किए गए एप्स्टीन मामले के पन्नों में आया था। माउंटबेटन-विंडसर को लंदन से करीब 100 मील (160 किलोमीटर) उत्तर में सैंड्रिंघम एस्टेट में बसने के बाद से सार्वजनिक रूप से बहुत कम देखा गया है। बृहस्पतिवार को एक कार में जाते हुए उनकी तस्वीर सामने आई जिसमें उनके चेहरे पर चोट का बड़ा निशान था।

संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी ईरान के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करने में असमर्थ

वियना, भाषा। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने कहा है कि पिछले वर्ष जून में युद्ध के दौरान प्रभावित हुए ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों का वह अब तक निरीक्षण नहीं कर सकी है। एजेंसी की सदस्य देशों को भेजी गई एक गोपनीय रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। आईएईए ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि वह ईरान में मौजूद संवर्धित यूरेनियम के भंडार के वर्तमान आकार, संरचना और स्थान के बारे में कोई जानकारी देने की स्थिति में नहीं है। एजेंसी यह भी पुष्टि नहीं कर सकती कि ईरान ने यूरेनियम संवर्धन से जुड़ी सभी गतिविधियां रोक दी हैं या नहीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि आईएईए परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) के तहत अपने सुरक्षा एवं निगरानी संबंधी दायित्वों का पूरी तरह निर्वहन करने में असमर्थ है। एजेंसी ने जोर देकर कहा कि तेहरान के लिए संधि के तहत अपने दायित्वों को लागू करना अत्यावश्यक और अनिवार्य है। आईएईए के अनुसार फरवरी में जारी पिछली रिपोर्ट के बाद से उसके निरीक्षकों को ईरान के केवल बुशेहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र का ही दौरा करने की अनुमति मिली है। यह निरीक्षण एक से तीन जून के बीच किया गया। बुशेहर में संचालित रिएक्टर में रूस से प्राप्त 4.5 प्रतिशत संवर्धित यूरेनियम का उपयोग किया जा रहा है, जो बिजली उत्पादन के लिए आवश्यक निम्न स्तर का संवर्धन माना जाता है। यह रिपोर्ट ऐसे समय में सामने आई है जब पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। हाल के दिनों में ईरान और अमेरिका के बीच संघर्षविराम के बावजूद हमलों और जवाबी कार्रवाईयों का सिलसिला जारी है। रिपोर्ट के अनुसार ईरान के पास वर्तमान में 60 प्रतिशत तक संवर्धित 440.9 किलोग्राम यूरेनियम का भंडार है। यह स्तर, हथियार बनाने के लिए उपयुक्त माने जाने वाले 90 प्रतिशत संवर्धन से केवल एक तकनीकी चरण दूर है। आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कहा था कि यदि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम का सैन्यीकरण करने का निर्णय लेता है, तो उसके पास मौजूद यह भंडार सैद्धांतिक रूप से 10 परमाणु बम बनाने के लिए पर्याप्त हो सकता है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया था कि इसका अर्थ यह नहीं है कि ईरान के पास वर्तमान में परमाणु हथियार मौजूद हैं। एजेंसी के दिशा-निर्देशों के अनुसार इतनी अधिक मात्रा में संवर्धित परमाणु सामग्री का सामान्यतः हर महीने सत्यापन किया जाना चाहिए, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में यह संभव नहीं हो पा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

श्रीलंका पुलिस ने लिट्टे का प्रचार करने के आरोप में युवक को गिरफ्तार किया

» कोलंबो, भाषा।

श्रीलंका पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि प्रतिबंधित संगठन लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) का प्रचार करने के आरोप में 24 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने किलिनोच्ची के उदयनगर निवासी युवक के नाम का खुलासा नहीं किया है। पुलिस के अनुसार उसे चार दिन पहले गिरफ्तार किया गया। उस पर जाफना जिले के नवतकुली इलाके में 31 मई को आयोजित एक संगीत कार्यक्रम के दौरान लिट्टे के प्रचार गीत को प्रस्तुति का आरोप है।

संदिग्ध को बुधवार को मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया जिसने उसे दो सप्ताह के लिए रिमांड पर सौंप दिया। पुलिस ने एक बयान में कहा कि जाफना संभागीय आपराधिक जांच ब्यूरो द्वारा की गई जांच में पता चला है कि संदिग्ध ने कार्यक्रम के दो गानों को संपादित किया और उन्हें अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस तरह से अपलोड किया जिससे लिट्टे का महिमामंडन होता है। लिट्टे श्रीलंका में प्रतिबंधित संगठन है और भारत सहित अधिकांश देशों में भी इस पर प्रतिबंध लागू हैं।

नेपाल में मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में भारतीय नागरिक गिरफ्तार

» काठमांडू, भाषा।

नेपाल के मधेस प्रांत से मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में एक भारतीय सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। नेपाल पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, बिहार के मोतिहारी निवासी राकेश कुमार साह (21) और एक नेपाली नागरिक को मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया।

बयान के अनुसार, नेपाली नागरिक की पहचान बारा जिले के विश्रामपुर ग्रामीण नगरपालिका के परसा जिला निवासी अजीत मगिग्या (20) के रूप में हुई है। बयान में कहा गया है कि भारतीय पंजीकरण वाली एक मोटरसाइकिल की सुरक्षा जांच के दौरान दोनों व्यक्तियों के पास से 17.40 ग्राम ब्राउन सुगर (मादक पदार्थ) बरामद किए जाने के बाद यह गिरफ्तारी की गई। बयान के अनुसार, पुलिस ने मोटरसाइकिल जब्त कर ली है।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 27 जुलाई को चुनाव होंगे

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 27 जुलाई को चुनाव होंगे। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह घोषणा की। क्षेत्रीय निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को एक अधिसूचना में कहा कि उम्मीदवार नौ से 19 जून तक नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 20 जून को की जाएगी। एक अधिकारी ने बताया कि उम्मीदवार 30 जून तक अपना नामांकन वापस ले सकते हैं और उम्मीदवारों की अंतिम सूची दो जुलाई को प्रकाशित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सेना, अर्धसैनिक बलों और नागरिक सशस्त्र बलों की देखरेख में 27 जुलाई को मतदान होगा। विधानसभा में 53 सीट हैं जिसमें 45 पर सीधे चुनाव होता है, जबकि आठ सीट महिलाओं, तकनीकी विशेषज्ञों और धर्मगुरुओं के लिए आरक्षित हैं। विधानसभा का कार्यकाल पांच वर्ष का होता है।

इजराइल ने दक्षिणी लेबनान पर हमले किए, छह लोगों की मौत

» दिब्बीन, भाषा।

इजराइल की वायु सेना ने शुक्रवार को दक्षिणी लेबनान के कई इलाकों पर हमले किए। इससे पहले सेना ने नौ गांवों के लोगों के लिए निकासी की चेतावनी जारी की। इनमें से एक गांव काफी हद तक विनाश से बचा हुआ है, जहां तीन महीने के युद्ध से विस्थापित हजारों लोगों ने शरण ली हुई है। इजराइली सेना की चेतावनी के बाद सैकड़ों परिवारों को इलाका छोड़ना पड़ा।

लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक, हमलों में छह लोगों की मौत हो गई। ये हमले चरमपंथी समूह हिज्बुल्ला द्वारा इजराइल और लेबनानी सरकार के बीच हुए नवीनतम युद्धविराम समझौते को खारिज करने और लेबनान से इजराइल के पूरी तरह हटने की मांग करने के एक दिन बाद हुए हैं।

समीक्षा : 2030 तक दुनिया की तीन प्रतिशत बिजली का इस्तेमाल कर सकता है एआई, अत्यधिक पानी की खपत हो सकती है

» हैमिल्टन (न्यूजीलैंड), भाषा।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते उपयोग से ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधनों पर पड़ने वाले दबाव को लेकर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक नई रिपोर्ट ने गंभीर चेतावनी जारी की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2030 तक एआई से जुड़ी प्रणालियां दुनिया की कुल बिजली खपत का लगभग तीन प्रतिशत हिस्सा उपयोग कर सकती हैं, जबकि डेटा केंद्रों की शीतलन जरूरतों के लिए इस्तेमाल होने वाला पानी वैश्विक आबादी की वार्षिक पेयजल आवश्यकता से भी अधिक हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई की बढ़ती क्षमता और लोकप्रियता के साथ उसके पर्यावरणीय प्रभाव भी तेजी से बढ़ रहे हैं। अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि एआई मॉडल समय के साथ अधिक दक्ष और कम ऊर्जा खपत वाले हो जाएंगे, जिससे उनकी पर्यावरणीय लागत घटेगी। हालांकि, रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि यह धारणा भ्रामक हो सकती है।

रिपोर्ट में जेवॉन्स पैराडॉक्स का उल्लेख किया गया है, जिसके अनुसार किसी तकनीक की दक्षता बढ़ने पर संसाधनों की कुल खपत कम होने के बजाय बढ़ सकती है। यह सिद्धांत 19वीं सदी के अर्थशास्त्री विलियम स्टेनली जेवॉन्स के अवलोकन पर आधारित है, जिन्होंने पाया था कि कोयले के उपयोग की दक्षता बढ़ने के बावजूद उसकी कुल मांग और खपत में वृद्धि हुई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि जैसे-जैसे एआई मॉडल अधिक सस्ते और सुलभ होंगे, उनके उपयोग के नए क्षेत्र विकसित होंगे और कुल मांग बढ़ेगी, जिससे दक्षता से होने वाली बचत का लाभ समाप्त हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष ही दुनिया भर के डेटा केंद्रों ने उतनी बिजली की खपत की थी जितनी सऊदी अरब करता है। सऊदी अरब विश्व का 11वां सबसे बड़ा बिजली उपभोक्ता देश है। यदि 2030 तक बिजली की मांग अनुमान के अनुरूप दोगुनी होती है, तो उसके कार्बन प्रभाव की भरपाई के लिए 10 वर्षों तक 6.7 अरब पेड़ उगाने की आवश्यकता पड़ेगी। अध्ययन में कहा गया है कि डेटा केंद्रों को 9.3 ट्रिलियन लीटर पानी तथा विशाल भू-क्षेत्र की जरूरत होगी, जिसका आकार मेक्सिको सिटी के क्षेत्रफल से लगभग 10 गुना अधिक हो सकता है। रिपोर्ट ने एआई उद्योग में मौजूद असमानताओं को भी रेखांकित किया है। इसके अनुसार, केवल 32 देशों में एआई-विशिष्ट क्लाउड अवसंरचना मौजूद है और उसकी 90 प्रतिशत क्षमता अमेरिका और चीन में केंद्रित है। इससे उन देशों और क्षेत्रों के बीच डिजिटल खाई और चौड़ी हो सकती है जो एआई प्रणालियों का विकास और नियंत्रण करते हैं तथा जो केवल उनका उपयोग करते हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एआई से जुड़ा पर्यावरणीय बोझ भी समान रूप से वितरित नहीं है। खनिजों के दोहन और इलेक्ट्रॉनिक कचरे (ई-वेस्ट) का प्रभाव अक्सर उन देशों पर अधिक पड़ता है जो एआई तकनीक के प्रमुख उत्पादक नहीं हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि एआई के पर्यावरणीय प्रभाव को निर्धारित करने वाले दो प्रमुख कारक हैंउसका उपयोग कितना किया जाता है और किस प्रकार किया जाता है। टेक्स्ट, कोड, चित्र और वीडियो तैयार करने जैसे विभिन्न कार्यों के लिए अलग-अलग स्तर की कंप्यूटिंग क्षमता और ऊर्जा की आवश्यकता होती है। रिपोर्ट में एआई के लिए संपूर्ण मूल्य श्रृंखला आधारित नियमन की वकालत की गई है, जिसमें खनिजों के स्रोत से लेकर पुनर्चक्रण और सुरक्षित निपटान तक सभी चरण शामिल हों। इसमें एआई विकास के दौरान पर्यावरणीय प्रभावों के खुलासे को अनिवार्य बनाने तथा जलवायु और ऊर्जा योजनाओं में एआई की संभावित मांग को शामिल करने की सिफारिश की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कई देश सरकारी और सार्वजनिक सेवाओं में एआई को तेजी से अपना रहे हैं। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने एआई रणनीतियां और ढांचे तैयार किए हैं, लेकिन इनमें ऊर्जा उपयोग और उत्सर्जन संबंधी अनिवार्य खुलासों की व्यवस्था नहीं है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि एआई के लिए हल्के नियमन और केवल सिद्धांत-आधारित दृष्टिकोण से उसके बढ़ते पर्यावरणीय प्रभावों की अनदेखी हो सकती है।

भारत ने लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षकों पर हमले की निंदा की

संयुक्त राष्ट्र, भाषा। भारत ने लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षकों पर हुए उस हमले की निंदा की है जिसमें सर्बिया के एक शांतिरक्षक की मौत हो गई और दो अन्य शांतिरक्षक घायल हो गए। भारत ने हमले की तत्काल और गहन जांच कर दोषियों को न्याय के कठघरे में लाए जाने की मांग की है। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) में तैनात सर्बियाई शांतिरक्षक सार्जेंट मिलोवान जोवानोविक की बुधवार को उस समय मौत हो गई जब सेक्टर ईस्ट स्थित मारजियुन के पास संयुक्त राष्ट्र की एक चौकी पर मोर्टार गोला गिरा। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि स्पेन एवं अल सल्वाडोर के दो अन्य शांतिरक्षक घायल हुए हैं और दक्षिणी लेबनान में यूएनआईएफआईएल के चिकित्सा केंद्र में उनका उपचार किया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि राजदूत हरीश पर्वतनेनी ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, हम इस निंदनीय हमले में मारे गए यूएनआईएफआईएल के सर्बियाई ब्लू हेल्मेट के परिवार और सर्बिया के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। ब्लू हेल्मेट से आशय संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा बलों की अभियानगत कमान के तहत सेवा दे रहे सैन्यकर्मियों, पुलिस अधिकारियों और असैन्य विशेषज्ञों से है। भारतीय राजदूत ने घायल शांतिरक्षकों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षकों की सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को एकजुट होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन ने एक बयान जारी कर हमले की निंदा की, मारे गए शांतिरक्षक को श्रद्धांजलि दी और घायल कर्मियों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मिशन ने हमले की तत्काल और गहन जांच कर दोषियों को न्याय के कठघरे में लाए जाने तथा पूर्ण जवाबदेही सुनिश्चित किए जाने की मांग की। बयान में कहा गया, हम सभी पक्षों से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के आदेशों के तहत काम कर रहे संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान करते हैं। भारत ने शांतिरक्षकों के खिलाफ अपराधों के लिए जवाबदेही से संबंधित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2589 का पूर्ण पालन करने का भी आग्रह किया। यह प्रस्ताव अगस्त 2021 में परिषद की भारत की अध्यक्षता के दौरान स्वीकार किया गया था। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने भी हमले की निंदा करते हुए कहा कि शांतिरक्षकों पर हमलों की तुरंत जांच होनी चाहिए तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ अभियोजन चलाकर जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

शहबाज ने ट्रंप की अद्वितीय नेतृत्व शैली की भी प्रशंसा की

भारत के साथ सैन्य संघर्ष में हस्तक्षेप के लिए पाकिस्तान ट्रंप का सदा आभारी रहेगा: शहबाज शरीफ

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि भारत के साथ सैन्य संघर्ष को खत्म कराने में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समय पर हस्तक्षेप के लिए पाकिस्तान सदा आभारी रहेगा। अमेरिकी स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर बृहस्पतिवार को अमेरिकी दूतावास द्वारा आयोजित एक स्वागत समारोह में शहबाज ने पाकिस्तान-अमेरिका संबंधों को लगभग आठ दशकों से जारी सच्चा और खास रिश्ता बताया। पिछले साल जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक चले सैन्य संघर्ष का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ट्रंप के हस्तक्षेप ने शत्रुता समाप्त करने में अहम भूमिका निभाई।

उन्होंने दावा किया, पिछले साल पहलगाम घटना को लेकर भारत की अकारण आक्रामकता के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने समय रहते और निर्णायक हस्तक्षेप किया जिसके कारण पिछले साल 10 मई को पाकिस्तान और भारत के बीच सैन्य संघर्ष थमा। शहबाज ने कहा, दक्षिण एशिया में शांति बहाल करने और लाखों लोगों की जान बचाने के लिए हम राष्ट्रपति ट्रंप के सदा आभारी रहेंगे। इस संदर्भ में उन्हें हमेशा शांतिप्रिय व्यक्ति के रूप में याद किया जाएगा। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पिछले साल सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था जिसका निशाना पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचे थे। ट्रंप ने बार-बार दावा किया है कि उन्होंने सैन्य संघर्ष के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच शांति स्थापित करने में मदद की। हालांकि, भारत लगातार यह कहता रहा है कि समझौता दोनों देशों के बीच सीधे तौर पर हुआ था और उसने तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के दावों को खारिज कर दिया है।

शहबाज ने ट्रंप की अद्वितीय नेतृत्व शैली की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने वाशिंगटन की अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों और अपने हितों की रक्षा में ऊर्जा और दृढ़ संकल्प का संचार किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके साहसी और दूरदर्शी नेतृत्व में अमेरिका शांति, प्रगति और समृद्धि को आगे बढ़ाते हुए विश्वास और गतिशीलता को प्रेरित करता रहता है। द्विपक्षीय संबंधों के इतिहास को याद करते हुए शहबाज ने उल्लेख किया कि 1947 में पाकिस्तान के निर्माण के बाद उसे मान्यता देने वाले पहले देशों में अमेरिका भी शामिल था। उन्होंने सुरक्षा, व्यापार, निवेश, कृषि, विज्ञान, शिक्षा, स्वास्थ्य और ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, हमारा रिश्ता सच्चा और खास है, जो लगभग आठ दशकों से चला आ रहा है और इसमें न केवल सुरक्षा और आतंकवाद-विरोधी गतिविधियों में सहयोग शामिल है, बल्कि व्यापार, निवेश, कृषि, विज्ञान, शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा और जन-जन आदान-प्रदान में भी समान रूप से सहयोग शामिल है। क्षेत्रीय कूटनीति पर शहबाज ने दावा किया कि पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के बीच संपर्क स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और उन्होंने शांति प्रयासों में योगदान के लिए सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को धन्यवाद दिया।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com